तापमान
अधिकतम 44 .1 डिग्री
न्यूनतम 24 .6 डिग्री

हरिभूमि
जीटी रोड भूमि

रोहतक, रविवार 24 मई 2026

श्रीस्थाणु सेवा मंडल कुरुक्षेत्र ने मेधावी विद्यार्थियों को किया सम्मानित

थानेसर। ब्रह्मलीन महंत प्रभात पुरी की प्रेरणा से कुरुक्षेत्र की पहली संस्था श्रीस्थाणु सेवा मंडल ने श्रीमहंत बंशी पुरी जी महाराज के आशीर्वाद से कुरुक्षेत्र के कुछ स्कूलों के मेधावी बच्चों को सम्मान दिया। मेधावी छात्रों ने 10वीं व 12वीं में अपने स्कूल मे प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया, उन छात्रों को संस्था ने श्रीमहंत प्रभात पंरी कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में सम्मानित किया। समारोह की अध्यक्षता महंत बंशी पुरी ने की। समारोह मे मुख्य अतिथि राजकुमारी शर्मा धर्मपत्नी स्वर्गीय रमेश शर्मा, भूतपूर्व रजिस्ट्रार कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र व उनके सपुत्र एडवोकेट अतुल शर्मा रहे।

MAHARANA PRATAP PUBLIC SCHOOL

KURUKSHETRA

(Affiliated to CBSE)

BOARD RESULTS - CLASS XII

2nd in the District (Arts) **Sneha Sharma** 97.8

3rd in the District (Commerce) **Avantika Dutt** 96.8

3rd in the District (Non-Medical) **Parth Singla** 96

4th in the District (Non-Medical) **Gurpreet Singh** 95.8

School Topper (Medical) **Navjot Singh** 92.6

Sakshi 94.2

Hiten Bansal 94

Tripti Rani 94

Divyanshi 93.6

Siya Rani 93.6

Piyanshi 93.2

Naman Kumar 93.2

Naveen 92.4

Garv Bura 92.2

Yashika 92.2

Diljit 92

Srishti 92

Harshit Mehta 91.6

Anurag 91.4

Archit 91.4

Aditi Sharma 91

Keshav Gaba 90.4

Plaksha 90.4

Anshdeep Kaur 90.4

Aahana Singh 90.2

Mansi 90

Simran 89

Harman 88.8

Arnav Bhardwaj 88.8

Palak 88.8

Mansi 88.6

Partiksha 88

Keshav Pruthi 88

Nidhi Arora 88

Harman 87.8

Anshika 87.6

Harman 87.4

Dipanshi 87.2

Anushka 86.8

Mannat Saini 86.2

Aditi Tomar 86.2

Himanshu 86

Arshpreet 86

Tanish 85.8

Abhinav 85.6

Kunal 85.4

Devansh 85

Abhinav 85

Akshit Jindal 84.8

Puneetika 84.8

Janvi Dhingra 84.6

Hezal Gupta 84.4

Chhavi Saini 84.4

Deepika Saini 84.2

Ojasvi 83.8

Lavisha 83.6

Suneha 83.6

Akshita 83.6

Amandeep 83.6

Prabhnoor 83.6

Niyati Saini 83.4

Avesh Parashar 83.2

Pawan Bhatt 82.8

Yashika 82.6

Rudra Sharma 82.4

Prikshit Malik 82.4

Avni Bansal 82.4

Parakh 82.2

Shalok Dahiya 82.2

Harshita 82.2

Ritika Sharma 82

Radhika 82

Diksha Dhiman 81.8

Priyanshi 81.6

Vatsal Madaan 81.2

Swati 81.2

Bhawni 81

Priyanshi 80.8

Riddhi Rani 80.8

Chaitanya Goel 80.6

Akshat Saini 80.6

Geetansh 80.4

Manpreet 80.4

Bhavya Kumar 79.6

Hitashi 79.6

Vansh 79.6

Akshita 79.4

Parth 79.4

Shivani 79.4

Navneet Kaur 79.2

Divyanjali 79

Janvi 79

Divyanshu 78.8

Annu 78.4

Karthik 78.2

Niyati 78

Disha Bihana 78

Noor 78

Aditi 77.6

Shagun 77.6

Yashasvi Saini 77

Umama 77

Arjun Sharma 76.8

Parinita 76.4

Aditya Sharma 76.4

Sarika 76

Aryan 76

Sneha 75.6

Parisha 75.4

Hanushi 75.4

Khwaish 75.4

Niharika 75.4

Ridhima 75.4

Aditya 75.2

Devansh 75.2

Himanshi 75.2

Janvi 75.2

Jashan Rana 75.2

Lakshita 75

Rhythm Nain 75

Divyanshi 75

Tarun Garg 75

Kushal Gupta 74.8

Akshra 74.8

Kritika 74.8

Harshita 74.6

Mannat Kaur 74.6

JEE MAINS-2026 ACHIEVERS

Gurpreet Singh 99.9 AIR : 305*

Parth Singla 99.64 AIR : 5861

Divyanshi 99.39 AIR : 9815

Parth 99.3 AIR : 150*

Abhinav 98.62

Anurag 98.51

Plaksha 98.42

Harshit 98.19

Harman 97.8

Hezal 97.64

Navjot 97.6

Suneha 95.63

Keshav 93.8

Palak 91.8

Results at a Glance- XII (Students Appeared-228)

% Range	No. of Students
94.6 & Above	4
89.6 & Above	26
84.6 & Above	51
79.6 & Above	86
74.6 & Above	127

Subjects	Marks	Students
Pol Science	100	Sneha Sharma
Sanskrit	100	Arnav Bhardwaj, Parakh, Parisha, Kritika
Artificial Intelligence	100	Avantika Dutt, Janvi Dhingra, Pawan Bhatt, Piyanshi Sachdeva, Sneha Sharma, Yashika Sharma
Commercial Arts	100	Aahana Singh, Aditi Sharma, Anshika Gupta, Diksha Dhiman, Naman Kumar
English	100	Hiten Bansal, Keshav Gaba
Mathematics	100	Parth Singla
Economics	99	Sneha Sharma
Physical Education	98	Hiten Bansal, Sakshi, Srishti Choudhary
Biology	98	Anshdeep Kaur
Business Studies	98	Avantika Dutt
Accountancy	98	Avantika Dutt
Chemistry	97	Gurpreet Singh
Physics	97	Parth Singla
History	97	Sneha Sharma
Geography	96	Siya Rani

The MPPS family congratulates achievers and their proud parents on this milestone.

+91-80597-00244 maharanapratapschool@yahoo.co.in www.mppskkr.com

खबर संक्षेप

अवैध देसी कट्टे के साथ युवक गिरफ्तार

यमुनानगर। सीआईए टू पुलिस टीम ने थाना छप्पर क्षेत्र से एक युवक को अवैध देसी कट्टे के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर उसे अदालत में पेश किया। जानकारी के अनुसार सीआईए टू पुलिस टीम में तैनात सिपाही शीशपाल ने बताया कि वह शाम को टीम के साथ गश्त कर रहा था। इस दौरान टीम को सूचना मिली थी कि थाना छप्पर के पास एक युवक किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में घूम रहा है। सूचना मिलते ही उसने टीम के साथ मौके पर पहुंचकर वहां संदिग्ध परिस्थितियों में घूम रहे युवक को हिरासत में लेकर उसकी तलाशी ली तो उसके पास से अवैध देसी कट्टा बरामद हुआ।

शादी का झांसा देकर युवती से किया दुष्कर्म

यमुनानगर। थाना छप्पर क्षेत्र के एक गांव में युवक ने शादी का झांसा देकर युवती के साथ दुष्कर्म किया। बाद में आरोपी ने शादी करने से मना कर दिया और उसके साथ मारपीट की। पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। 22 वर्षीय युवती ने महिला पुलिस थाने में दी शिकायत में बताया कि उसकी गांव के ही अंकित के साथ जान पहचान थी। इस दौरान आरोपी उसे फोन पर बात करने लगा और उसे शादी करने के लिए बोलने लगा। इस दौरान आरोपी ने उसे शादी का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता ने बताया कि आरोपी इसके बाद भी उसे शादी का झांसा देकर उसके साथ गलत काम करता रहा।

युवती की फोटो एडिट कर ब्लैकमेल करने का आरोप

यमुनानगर। शहर जगाधरी थाना क्षेत्र की एक कॉलोनी में नाबालिग लड़की की एडिट की हुई आपत्तिजनक फोटो बनाकर वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल करने का मामला सामने आया है। जगाधरी की एक कालोनी निवासी व्यक्ति ने साइबर क्राइम पुलिस थाने में दी शिकायत में बताया कि उसकी 17 वर्षीय लड़की पिछले कुछ दिन से गुमसुम रहती थी। उसकी लड़की ने बताया कि उसके व्हाट्सएप व इंस्टाग्राम पर अज्ञात द्वारा गलत मैसेज किए जा रहे हैं। आरोपी उसकी फोटो एडिट कर उन्हें आपत्तिजनक फोटो बनाकर वायरल करने की धमकी देकर उसे ब्लैकमेल कर रहा है।

उपायुक्त ने रेवेन्यू विभाग के अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

भूमि सीमांकन में राजस्व रिकॉर्ड का सही तरीके से मिलान करें अधिकारी : डीसी

रेवेन्यू विभाग से संबंधित कार्यों का शीघ्र निपटान व पारदर्शिता सुनिश्चित करें अधिकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

यमुनानगर। अधिकारियों की बैठक लेती जिला उपायुक्त। फोटो : हरिभूमि

जिला उपायुक्त प्रीति ने अपने कार्यालय में रेवेन्यू विभाग के अधिकारियों के साथ भूमि के सीमांकन से संबंधित कार्यों की समीक्षा बैठक की। बैठक में लंबित मामलों के शीघ्र निपटान तथा कार्यों में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

उपायुक्त ने कहा कि भूमि संबंधी विवादों के समाधान में भूमि सीमांकन की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इसलिए सभी मामलों का निपटारा निर्धारित समय सीमा के भीतर किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि लंबित मामलों की सूची तैयार कर प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने सभी एसडीएम और कानूनगो को निर्देश दिए कि वह हरियाणा सरकार की दिशा निर्देशों के अनुसार ही कार्य करें।

उपायुक्त ने कहा कि भूमि सीमांकन कार्य के दौरान राजस्व रिकॉर्ड का सही तरीके से मिलान किया जाए तथा संबंधित पक्षों की उपस्थिति में प्रक्रिया पूरी की जाए ताकि भविष्य में किसी प्रकार का विवाद उत्पन्न न हो। उपायुक्त ने अधिकारियों से कहा कि आमजन की शिकायतों का समाधान गंभीरता से किया जाए और कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने निर्देश दिए कि डिमार्केशन से जुड़े मामलों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए। उन्होंने जिला राजस्व अधिकारी से जमाबंदी, इंतकाल, रिकवरी, कोर्ट केस से संबंधित केसों की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि लंबित केसों का जल्द से जल्द निपटान करें। डीसी ने कहा कि राजस्व विभाग से संबंधित कार्यों को लेकर लोगों को दिक्कत नहीं आनी चाहिए। तकनीकी खामियों के कारण रुके इंतकाल को तकनीकी शाखा से बात कर जल्द से जल्द निपटाया जाए। इस बैठक में एसडीएम व्यासपुर जसपाल सिंह गिल, एसडीएम जगाधरी विश्वनाथ, एसडीएम छछरौली रोहित कुमार, एसडीएम रादौर नरेंद्र कुमार, जिला राजस्व अधिकारी तरुण सहोता, तहसीलदार व नायब तहसीलदार मौजूद रहे।

बच्चों की सुरक्षा अभिभावक नहीं बल्कि समाज के हर व्यक्ति का दायित्व : शर्मा

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा जिला बाल संरक्षण इकाई के सहयोग से एडीआर सेंटर यमुनानगर में एक दिवसीय विशेष जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सह सचिव सुमित्रा कादियान के मार्गदर्शन में किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य कानून से संघर्षरत बच्चों एवं देखरेख और संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चों से संबंधित मामलों, समस्याओं एवं उनके संरक्षण हेतु उपलब्ध कानूनी प्रावधानों के प्रति जागरूकता प्रदान करना था। कार्यशाला में पुलिस विभाग के अधिकारियों, अध्यापकों, डीएलएसए के पीएलवी सदस्यों ने सामाजिक एवं कानूनी विषयों पर महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की। कार्यशाला में दहेज निषेध अधिनियम, प्लास्टिक मुक्त हरियाणा,ग्रीन टुडे, सिक्योर टुमारो अभियान, पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत, एनआइए एक्ट की विशेष लोक अदालत तथा समाधान समारोह विशेष लोक अदालत से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां प्रतिभागियों को प्रदान की गईं। कार्यक्रम में पैनल अधिवक्ता वीपीएस सिद्धू ने विभिन्न सामाजिक एवं कानूनी विषयों पर विस्तारपूर्वक जानकारी देते हुए आमजन को अपने अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूक किया। जिला बाल संरक्षण इकाई के लीगल कम प्रोबेशन अधिकारी रंजन शर्मा ने पॉक्सो एक्ट, 2012 एवं इसके महत्वपूर्ण संशोधनों के संबंध में प्रतिभागियों को जागरूक किया। उन्होंने बच्चों के विरूद्ध लैंगिक अपराधों की रोकथाम, शिकायत दर्ज करवाने की प्रक्रिया, बाल संरक्षण तंत्र, विभिन्न हितधारकों की भूमिका तथा बच्चों को उपलब्ध कानूनी सुरक्षा उपायों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बच्चों की सुरक्षा केवल सरकारी विभागों की जिम्मेदारी नहीं बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है। जागरूकता एवं समय पर शिकायत बच्चों को सुरक्षित वातावरण प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

पैर फिसलने से पश्चिमी यमुना नहर में बहा युवक

- पुलिस ने गोताखोरों की सहायता से शव को नहर से बाहर निकाला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

यमुनानगर। गांव हरनौली निवासी मृतक राशिद का फाइल फोटो।

छछरौली क्षेत्र के गांव पिपली माजरा के पास पश्चिमी यमुना नहर में नहाने समय रील बनाते हुए एक युवक का पैर फिसल गया। जिससे युवक पानी में डूब गया। पुलिस ने गोताखोरों की सहायता से युवक के शव को नहर से बाहर निकाला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करवा परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी।

जानकारी के अनुसार गांव हरनौली निवासी 23 वर्षीय राशिद शादीपुर स्थित एक फैक्ट्री में काम करता था। शुक्रवार शाम को राशिद अपने मामा और मासी के बेटे के साथ नहर में नहाने आया था। बताया जा रहा है कि नहाने के दौरान वह नहर के किनारे खड़ा होकर मोबाइल से रील बनवा रहा था। इसी बीच उसका पैर फिसल गया और वह सीधे गहरे पानी में जा गिरा। मौके पर मौजूद युवको ने उसे बचाने का प्रयास किया। लेकिन आरोपी देखते ही देखते पानी में डूब गया। युवक के डूबने की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए और घटना के बारे डायल 112 को सूचित किया।

सूचना मिलने पर छछरौली थाना पुलिस मौके पर पहुंची। इसके बाद गोताखोरों की टीम को बुलाकर सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया। करीब एक घंटे तक चले अभियान के बाद गोताखोरों ने राशिद के शव को नहर से बाहर निकाला। इसके बाद पुलिस ने उसे अस्पताल लेकर पहुंची। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करवा परिजनों को सौंप दिया। घटना के बाद से परिजनों का रो रोकर बुरा हाल था।

रेडीमेड की अस्थाई दुकान से कपड़े व नकदी चोरी

यमुनानगर। छछरौली के त्रिकोणी चौक पर स्थित रेडीमेड की अस्थाई दुकान से चोरों ने कपड़े व पांच हजार रुपये की नकदी चोरी कर ली। पुलिस ने मामले की जांच के बाद अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार गांव छछरौली निवासी जसजीत सिंह ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसने कस्बे के त्रिकोणी चौक पर अस्थाई रूप से रेडीमेड कपड़ों की दुकान की हुई है। देर शाम को वह कपड़ों को दुकान में इकट्ठा कर देता है। उसने बताया कि 22 मई को देर शाम उसने कपड़ों को दुकान में रख दिया। इस दौरान चोरों ने रात को दुकान से रेडीमेड कपड़े व पांच हजार रुपये की नकदी चोरी कर ली। सुबह जब वह दुकान पर पहुंचा तो उसे कपड़े व नकदी गायब मिली।

क्रोध के अधीन होकर मनुष्य खो बैठता है अपना विवेक : अवस्थी

रादौर। श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर रादौर के महंत कमलेश अवस्थी ने कहा कि क्रोध व्यक्ति का पूर्णतः सर्वनाश कर डालता है। क्रोध साक्षात यम का स्वरूप है जो अपने विकराल मुख से व्यक्ति को ग्रसने के लिए सदा तत्पर रहता है।

शनिवार को मंदिर में प्रवचन करते हुए महंत अवस्थी ने कहा कि क्रोध के अधीन होकर व्यक्ति बुद्धि विवेक खो बैठता है और नीच कर्म कर डालता है। कहा जाता है कि यमलोक जाते समय मार्ग में वैतरणी नामक नदी आती है। जिसे पार करना जीवात्मा के लिए अत्यंत कष्ट प्रदायक होता है। चाणक्य ने तृष्णा की तुलना वैतरणी नदी से की है। वे कहते हैं कि मनुष्य को यथासंभव तृष्णा से स्वयं को बचाना चाहिए। विद्या की तुलना उन्होंने सभी मनोरथ पूर्ण करने वाली कामधेनु गाय से की है। उनके अनुसार विद्यार्जन करने वाले मनुष्य की समस्त मनोकामनाएं अवश्य पूर्ण होती हैं। इसी प्रकार चाणक्य ने संतोष को इंद्र के विहार स्थल नंदनवन के समान सुखदायक और मनमोहक कहा है इसलिए उन्होंने संतोष का आश्रय लेने पर बल दिया है।

25 मई को धूमधाम से मनाया जाएगा गंगा दशहरा

रादौर। अनाजमंडी रोड पर स्थित श्री विश्वकर्मा मंदिर के पुजारी अवध बिहारी पांडे ने बताया कि सोमवार 25 मई को गंगा दशहरा का त्यौहार मनाया जा रहा है। गंगा दशहरा का पर्व हिंदू धर्म में आस्था रखने वाले लोगों के लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण पर्व माना जाता है। अवध बिहारी पांडे ने बताया कि गंगा दशहरा का पर्व मां गंगा के स्वर्ग लोक से पृथ्वी पर अवतरण के रूप में मनाया जाने वाला एक त्योहार होता है। ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि पर मां गंगा ने राजा भगीरथ की कठोर तपस्या से प्रसन्न होकर स्वर्ग लोक से पृथ्वी पर भगवान शिव की जटाओं से होती हुई पृथ्वी पर आई थीं। पृथ्वी पर मां गंगा के अवतरण से पूर्वजों की आत्मा को मोक्ष की प्राप्ति व मानव जीवन का कल्याण हुआ। गंगा दशहरा के दिन पवित्र नदियों में स्नान, दान, पूजा-पाठ करने से जीवन में सुख, शांति व समृद्धि आती है। इससे व्यक्तियों को दस तरह के पापों से मुक्ति मिलती है। गंगा दशहरा पर देशभर की पवित्र नदियों के घाटों पर भारी भीड़ एकत्रित होती है और विशेष रूप से मां गंगा की पूजा, गंगा स्तोत्र, मंत्र, जाप और आरती होती है। उन्होंने बताया कि हिंदू धर्म में गंगा को सबसे पवित्र, पावन और मोक्षदायिनी नदी माना जाता है। गंगा दशहरा के दिन पानी का मटका, शरबत, ठंडा जल, अनाज, मौसमी फल, हल्के कपड़े पंखा, छाता, गुड़ व तिल आदि का दान करना चाहिए।

प्रकृति का संतुलन बिगड़ने के कारण हो रही तापमान में भारी वृद्धि : छिब्बर

- जनसेवक फाउंडेशन के तत्वावधान में चलाया पौधारोपण अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

यमुनानगर। पौधारोपण करते स्टाफ सदस्य व बच्चे। फोटो : हरिभूमि

जनसेवक फाउंडेशन के तत्वावधान में सरस्वती सीनियर सैकेंडरी स्कूल जागधौली में पौधारोपण अभियान चलाया गया। इस दौरान स्कूली बच्चों के साथ-साथ स्टाफ सदस्यों ने भी पौधे लगाए।

फाउंडेशन के अध्यक्ष एडवोकेट मोहित छिब्बर ने कहा कि आज प्रकृति का संतुलन बिगड़ने से तापमान में भारी वृद्धि हो रही है, जिसके भारी दुष्परिणाम सामने आने लगे हैं। उन्होंने कहा कि उसी के चलते सामाजिक संस्थाओं द्वारा भी इस अभियान को आगे बढ़ाया जा रहा है। जनसेवक फाउंडेशन द्वारा यमुनानगर जिला के अलग-अलग इलाकों में सार्वजनिक स्थलों पर पौधारोपण अभियान चलाया जा रहा है ताकि आने वाले समय में होने वाली दिक्कतें कम हो सके। साथ ही स्कूल के विद्यार्थियों को शिक्षा की ताकत के बारे में भी जागरूक किया गया। उन्होंने कहा कि सभी विद्यार्थी भी संकल्प लें कि हर अवसर पर एक पौधा अवश्य लगाएंगे।

अलंकरण समारोह में हृदयांश बने हेड बॉय व गुरलीन कौर बनी हेड गर्ल

- ग्लोब हेरिटेज इंटरनेशनल स्कूल सांगीपुर में हुआ कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

यमुनानगर। विद्यार्थियों को सम्मानित करते स्टाफ सदस्य।

ग्लोब हेरिटेज इंटरनेशनल स्कूल सांगीपुर में शनिवार को अलंकरण समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान मुख्य अतिथियों स्कूल की प्रबंधक समिति की प्रधान रंजना गोयल व महासचिव संजीव अग्रवाल ने छात्र परिषद के सदस्यों को उनके पद सौंप कर शपथ दिलाई। प्रधानाचार्य रीतू सिंगला ने समारोह का उद्देश्य बताते हुए कहा कि छात्र परिषद में सम्मिलित छात्रों में न केवल नेतृत्व कौशल, अनुशासन, सामूहिक निर्णय क्षमता व उत्तरदायित्व की भावना का विकास होता है, बल्कि स्कूल गतिविधियों में भी सहयोग करने से उनकी कार्यक्षमता में वृद्धि होती है और दूसरे विद्यार्थियों को उससे प्रेरणा मिलती है। छात्र परिषद में बारहवीं कक्षा के हृदयांश को हेड बॉय व गुरलीन कौर को हेड गर्ल की जिम्मेदारी सौंपी गयी। ऋग्वेद हाउस में अवनी को कप्तान, मिली को उप कप्तान, प्रियल को स्पोर्ट्स इंचार्ज की जिम्मेदारी मिली।

निष्ठा से कार्य करने का विद्यार्थियों ने लिया संकल्प

यमुनानगर। सरस्वती पब्लिक स्कूल में अलंकरण समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान चारों सदनों के नवनियुक्त विद्यार्थियों को हेडगर्ल, हेड बॉय, कैप्टन, वाइस कैप्टन, प्रीफेक्ट के सैशे और बैज प्रदान किए गए।

विद्यालय की प्रधानाचार्या तरनप्रीत कौर एवं उप प्रधानाचार्य राजीव बंसल ने चयनित विद्यार्थियों को अलंकृत किया तथा नव निर्वाचित विद्यार्थियों को शपथ दिलाई गई कि वह अपने कर्तव्यों का सत्य निष्ठा के साथ पालन करेंगे। नव नियुक्त विद्यार्थियों ने धन्यवाद करते हुए अपनी सभी जिम्मेदारियों को तथा विद्यालय की बेहतरी के लिए ईमानदारी और सत्य निष्ठा से काम करने का संकल्प लिया। चारों हाउस के इंचार्ज तथा हाउस टीचर्स ने सभी बच्चों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की ।

प्रधानाचार्या तरनप्रीत कौर ने सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ देते हुए उन्हें उनकी जिम्मेदारियों से अवगत कराया। अंत में राष्ट्रगान के साथ समारोह का समापन हुआ।

पेंटिंग के माध्यम से विद्यार्थियों ने नशे के दुष्प्रभावों पर किया जागरूक

- दामला विद्यालय में एंटी टोबैको अवेयरनेस कार्यक्रम व ड्राइंग प्रतियोगिता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

यमुनानगर। प्रतियोगिता में भाग लेते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नाहरपुर के सौजन्य से पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय दामला में एंटी टोबैको अवेयरनेस प्रोग्राम के अंतर्गत विचार गोष्ठी एवं ड्राइंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को तंबाकू एवं नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना था।

ड्राइंग प्रतियोगिता में विद्यालय के 45 विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों की रचनात्मकता एवं जागरूकता देखने योग्य रही। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. सुंदरलाल ने बतौर एक्सपर्ट शिरकत की। सीएचसी नाहरपुर से किशोर स्वास्थ्य सलाहकार संजीव कुमार ने विद्यार्थियों को तंबाकू उत्पादों के सेवन से बचने तथा इसके शरीर एवं समाज पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। डॉ. धीरज चावला ने भी विद्यार्थियों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया।

डीपीएस स्कूल में अभिभावकों को शिक्षित करने पर हुई कार्यशाला

बच्चों की शिक्षा में अभिभावकों की भूमिका अहम: शर्मा

अभिभावकों को बच्चों की रुचियां एवं क्षमताओं को पहचान पर जोर देना चाहिए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

यमुपनानगर। कार्यक्रम में भाग लेते शिक्षक व अभिभावक।

दिल्ली पब्लिक स्कूल में शिक्षा के बारे में अभिभावकों को शिक्षित करना विषय पर एक दिवसीय क्षमता संवर्धन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में ज्योति शर्मा व सारिका मलिक उपस्थित हुई। उन्होंने कहा कि बच्चों की शिक्षा केवल विद्यालय तक सीमित नहीं होती बल्कि अभिभावकों की सकारात्मक सोच सहयोग एवं मार्गदर्शन भी विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि अभिभावकों को बच्चों पर अनावश्यक दबाव न डालते हुए उनकी रुचियां एवं क्षमताओं को पहचान पर जोर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि अभिभावकों को शिक्षा प्रणाली डिजिटल युग में बच्चों की चुनौतियों तथा सकारात्मक अभिभावक तक के विषय में महत्वपूर्ण जानकारी देनी चाहिए। उन्होंने बताया कि बच्चों के साथ मित्रवत व्यवहार, नियमित संवाद, भावनात्मक सहयोग उन्हें आत्मविश्वासी एवं जिम्मेदार नागरिक बनाने में सहायक सिद्ध होता है। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न गतिविधियों का आयोजन भी किया गया। जिसमें शिक्षकों ने भाग लिया। विशेषज्ञ द्वारा विद्यार्थियों में अनुशासन, समय प्रबंधन, नैतिक शिक्षा तथा मानसिक स्वास्थ्य के महत्व पर भी विस्तार पूर्वक चर्चा की। कार्यशाला में छात्रों पर अनावश्यक दबाव डाले बिना उनका मार्गदर्शन करने में माता-पिता की भूमिका के बारे में जानकारी प्रदान की गई। विद्यालय के वाइस चेयरमैन रामनिवास गर्ग और प्रधानाचार्य पूर्णिमा वाधवा ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में सकारात्मक परिवर्तन तभी संभव है जब विद्यालय एवं अभिभावक मिलकर बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए कार्य करें।

इशिका ने ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी कुश्ती प्रतियोगिता में जीता रजत पदक

- इशिका ने विवि स्तर पर कॉलेज की पहचान को किया मजबूत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

यमुनानगर। खिलाड़ी को सम्मानित करते प्रबंधक समिति सदस्य। फोटो : हरिभूमि

गुरु नानक खालसा कॉलेज की पहलवान इशिका ने ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी कुश्ती प्रतियोगिता में रजत पदक हासिल कर कॉलेज का नाम रोशन किया। इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर प्रबंधक समिति ने इशिका को बधाई दी। साथ ही कहा कि इससे विश्वविद्यालय स्तर के खेलों में कॉलेज की उत्कृष्ट पहचान को और मजबूत किया है।

गवर्निंग बॉडी के अध्यक्ष रणदीप सिंह जौहर ने इशिका को इस शानदार उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा कि उनकी सफलता दृढ़ संकल्प, संघर्षशीलता और कठिन परिश्रम का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि विशेष रूप से युवा खिलाड़ियों और छात्राओं के लिए प्रेरणास्रोत है जिससे वे आत्मविश्वास और समर्पण के साथ खेलों में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित होंगी।

प्राचार्य डॉ.अरविंदर सिंह भल्ला ने इशिका के सराहनीय प्रदर्शन पर उन्हें बधाई दी और खेलों के माध्यम से महिला सशक्तिकरण के महत्व पर प्रकाश डाला।

खबर संक्षेप

कुरुक्षेत्र। पकड़े गए आरोपी।

फैक्ट्री मालिक से मारपीट के दो आरोपी गिरफ्तार

कुरुक्षेत्र। पिपली में पुलिस कार्रवाई को लेकर विवाद खड़ा हो गया। सेक्टर-2 निवासी फैक्ट्री मालिक धर्मपाल ने शिकायत दी कि पूर्व कर्मचारी हिमांशु उर्फ राहुल अपने साथियों के साथ फैक्ट्री में घुसा, मारपीट की और पैसे छीनकर फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने राहुल व अमृत को गिरफ्तार कर चार नाबालिगों को अभिरक्षा में लिया। वहीं, राहुल की मां गुलाबो देवी ने आरोप लगाया कि पुलिस रात में घर में घुसी, बेटे से मारपीट की और जबरन उठाकर ले गई। परिवार ने जातिसूचक शब्द कहने के आरोप भी लगाए। पुलिस ने आरोपों को निराधार बताया है।

बाल भारती का गठन नमिश बने अध्यक्ष

कुरुक्षेत्र। सेक्टर-3 स्थित गीता निकेतन विद्या मंदिर में विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता और जिम्मेदारी की भावना विकसित करने के उद्देश्य से बाल भारती का गठन किया गया। विशेष सभा में प्रधानाचार्य सोमनाथ चौधरी और संयोजक नीलम ने चयनित विद्यार्थियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। कक्षा अष्टम के नमिश को अध्यक्ष, हिमांशु को उपाध्यक्ष, परी को मंत्री और अवनीश को कोषाध्यक्ष बनाया गया। हर्षित सेनापति, गायत्री सहमंत्री, दीपांशु उपसेनापति तथा ध्वनि पत्रकार चुनी गईं।

अग्निशमन यंत्रों के बारे में दी जानकारी

कुरुक्षेत्र। अमीन रोड स्थित गीता कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में छात्राओं को अग्निशमन यंत्रों के उपयोग और आग से बचाव के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम का आयोजन विद्या भारती हरियाणा और हिंदू शिक्षा समिति के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। प्राचार्या सुमन बाला के निर्देशन में आचार्या रश्मि ने छात्राओं, अध्यापिकाओं और कर्मचारियों को आग के प्रकार और उससे बचाव के उपाय बताए। उन्होंने बताया कि ए-प्रकार की आग कागज, कपड़े व गत्ते से, बी-प्रकार की आग तेल-पेट्रोल से और सी-प्रकार की आग गैस व विद्युत उपकरणों से लगती है।

नवयुग स्कूल के मेधावी विद्यार्थी सम्मानित

कुरुक्षेत्र। नवयुग सीनियर सेकेंडरी स्कूल के मेधावी विद्यार्थियों को पानीपत इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी द्वारा आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह 2026 में सम्मानित किया गया। समारोह में कक्षा 12वीं बोर्ड परीक्षा में 75 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित करने के साथ 100 प्रतिशत तक छात्रवृत्ति भी प्रदान की गई। स्कूल के वंशिका, धनिष्ठ, प्रार्थना, शिवानी, पायल, नंदिनी, मानव, शिवम, सागर, योगेश, नित्या आनंद, पल्लवी, सिमरन, दक्ष, कोमल और दिलप्रीत को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मान मिला। डायरेक्टर बीडी गाबा और प्रधानाचार्य डॉ. देवेन्द्र अरोड़ा ने छात्रों को बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

रास बिहारी बोस की जयंती पर रक्तदान शिविर

कुरुक्षेत्र। क्रांतिकारी एवं स्वतंत्रता सेनानी रास बिहारी बोस की जयंती पर स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर का आयोजन राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने किया। प्रोफेसर दीक्षित गर्ग मुख्यातिथि रहे, जबकि सेवानिवृत्त जिला कल्याण अधिकारी सुदेश कुमार धीमान विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। मुख्यातिथि ने रक्तदान को मानवता की सबसे बड़ी सेवा बताया। शिविर में 15 से अधिक रक्तदाताओं ने रक्तदान कर श्रद्धांजलि अर्पित की। डॉ. वर्मा ने सभी अतिथियों और रक्तदाताओं का आभार व्यक्त किया।

किसानों और पशुपालकों से क्यूबा प्रतिनिधिमंडल का संवाद

आत्मनिर्भर भारत मॉडल और कृषि तकनीकों की क्यूबा ने की सराहना

भारत की कृषि तकनीकों से जुड़ना चाहता है क्यूबा: जुआन कार्लोस

- क्यूबा में भारतीय किसानों को 25 साल तक मुफ्त लीज पर मिलेगी कृषि भूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र। क्यूबा गणराज्य के राजदूत जुआन कार्लोस मार्सान एगुइलेरा का स्वागत करते आयोजक। फोटो: हरिभूमि

नवीन जिंदल फाउंडेशन की ओर से संचालित कुरुक्षेत्र इंटरनेशनल स्किल सेंटर में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें क्यूबा गणराज्य के राजदूत जुआन कार्लोस मार्सान एगुइलेरा और उप राजदूत ग्वाडालूपे डे रेग्ला फ्रोमेटा गोमेज ने बतौर मुख्यातिथि हिस्सा लिया। जबकि वशिष्ठ अतिथि के तौर पर जिला परिषद की चेयरपर्सन कंवलजीत कौर और कृषि वैज्ञानिक पदमश्री डॉ. हरिओम मौजूद रहे। कार्यक्रम में भारत और क्यूबा के बीच कृषि क्षेत्र की तकनीक के आदान-प्रदान को लेकर चर्चा हुई। क्षेत्र के प्रगतिशील किसानों और पशुपालकों से बात करते हुए क्यूबा गणराज्य के राजदूत जुआन कार्लोस मार्सान एगुइलेरा ने कहा कि क्यूबा भारत को अपने मित्र राष्ट्र के रूप में देखता है। यहां कृषि ऊर्जा और आईटी का बहुत बड़ा नेटवर्क है। जिसे क्यूबा अपने साथ जोड़ना चाहता है। उन्होंने कहा कि क्यूबा में 60 प्रतिशत एनर्जी देश खुद बनाता है। जबकि 40 प्रतिशत का उसे भुगतान करना पड़ता है। जब सोवियत संघ से संबंध अच्छे थे। तब किफायती दर थी। लेकिन संबंधों में बदलाव के कारण अब दाम बढ़ने से देश पर आर्थिक बोझ बढ़ गया है। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार वाला आत्मनिर्भर भारत विश्व के लिए प्रेरणा है। जिससे तकनीक सीखने की जरूरत है। यहां नवीन जिंदल जैसे युवा उद्योगपति बिजली जैसी जरूरी चीजें पैदा करके अपने देश की आर्थिक प्रगति में योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि पड़ोसी होने के बावजूद भी अमेरिका से अपेक्षा के अनुरूप सहयोग नहीं मिल रहा। ऐसे में उन्हें भारत से बेहद उम्मीद है। क्यूबा में 55 प्रतिशत भूमि कृषि योग्य है। वहां की सरकार चाहती है कि भारत के किसान वहां खेती करें। क्यूबा में खेती करने पर किसानों को 25 साल के लिए जमीन फ्री लीज पर दी जाएगी। यदि 25 साल में उनका काम संतोषजनक रहा तो अगले 25 साल फिर उन्हें जमीन फ्री लीज पर मिलेगी। इसके बदले में 30 प्रतिशत फसल का हिस्सा क्यूबा के बेचना होगा। जबकि 70 प्रतिशत फसल वो अपनी मर्जी से एक्सपोर्ट कर सकेगा। साथ में क्यूबा सरकार उन्हें इन्वेस्टमेंट की 100 प्रतिशत सुरक्षा गारंटी भी मुहैया कराएगी। उन्होंने कहा कि क्यूबा और भारत के बीच भले ही 12 हजार किलोमीटर की दूरी हो। लेकिन दोनों के दिल एक दूसरे के बहुत करीब है।

हरियाणा चैम्बर कॉन्क्लेव में भारत क्यूबा व्यापारिक संबंधों पर जोर

कुरुक्षेत्र में हरियाणा चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के कुरुक्षेत्र चैप्टर द्वारा पिपली रोड स्थित एक निजी होटल में भारत-क्यूबा व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने के उद्देश्य से कॉन्क्लेव आयोजित किया गया। कार्यक्रम में क्यूबा के राजदूत जुआन कार्लोस मार्सन एगुइलेरा और क्यूबा दूतावास की प्रथम सचिव प्रो. माइकी दियाज पेरेज ने उद्योगपतियों से संवाद किया और निवेश व व्यापारिक अवसरों पर चर्चा की।चैम्बर के चेयरमैन डॉ. नरेंद्र पाल गुप्ता ने कहा कि कुरुक्षेत्र कृषि, उद्योग और शिक्षा के क्षेत्र में तेजी से उभर रहा है। राजदूत ने भारत और क्यूबा के बीच व्यापार, कृषि, फार्मा, शिक्षा और संस्कृति के क्षेत्र में सहयोग की अपार संभावनाएं बताईं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उद्योगपति एवं व्यापारी मौजूद रहे।

- दोनों देशों के आर्थिक सहयोग को मजबूत करने पर दिया गया जोर

कमरे में पंखे से लटका मिला दो बच्चों की मां का शव

पति की मौत के बाद अकेली रह रही थी महिला

- फोरेंसिक टीम ने मौके से सैंपल जुटाए, कमरे से मिला नोट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र। मौके पर मौजूद पुलिस।

शाहबाद के गांव शरीफगढ़ में एक महिला ने फंदा लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। महिला का शव उसके कमरे के अंदर पंखे पर लटका मिला। पुलिस मौके पर पहुंची तथा शव को कब्जे में लेकर कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस ने फोरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाकर सैंपल एकत्रित करवाए। मृतक महिला की पहचान शर्मिला के रूप में हुई। महिला दो बच्चों की मां थी और पास के एक ढाबे पर काम करके परिवार का गुजारा करती थी। अभी घटना के पीछे की वजह साफ नहीं हो पाई है। पुलिस मकान मालिक और ढाबा संचालक से बातचीत कर रही है। महिला के पति की कुछ समय पहले मौत हुई थी। शर्मिला पहले यमुनानगर में काम करती थी। कुछ समय ही उसके पति बीरू की मौत हो चुकी थी। पति की मौत के बाद शर्मिला बिल्कुल अकेली हो गई थी। उधर, पुलिस को कमरे से एक कॉपी में कुछ नोट लिखा मिला है। शाहाबाद थाने के एसएचओ जगदीश टामक का कहना है कि पुलिस जांच में जुटी है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। ढाबा संचालक किशन कुमार ने बताया कि शर्मिला मूल रूप से नेपाल की रहने वाली थी। उसकी दोनों बेटियां उसकी मां के पास नेपाल में रहते हैं।

कुवि आईआईएचएस में जल्द शुरू होगा बीएससी रोबोटिक्स एंड ऑटोमेशन कोर्स

कुरुक्षेत्र। तेजी से बदलती तकनीकी दुनिया में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स और ऑटोमेशन का महत्व लगातार बढ़ता जा रहा है। इसी दिशा में विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीकी शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा के मार्गदर्शन में इंस्टीट्यूट ऑफ इंटीग्रेटेड एंड ऑनर्स स्टडीज द्वारा बी.एससी. (रोबोटिक्स एंड ऑटोमेशन) एईडीपी कोर्स शुरू किया जा रहा है। इस कोर्स के लिए जल्द ही आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ होगी और इच्छुक विद्यार्थी ऑनलाइन माध्यम से आवेदन कर सकेंगे। आईआईएचएस की प्राचार्या प्रो. रीटा ने बताया कि यह तीन वर्षीय फुल-टाइम ऑन-कैंपस डिग्री प्रोग्राम होगा, जिसमें विद्यार्थियों को रोबोटिक्स, ऑटोमेशन, इलेक्ट्रॉनिक्स, कंप्यूटर साइंस, मैकेनिकल सिस्टम्स तथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी अत्याधुनिक तकनीकों का व्यावहारिक एवं उद्योग आधारित प्रशिक्षण दिया जाएगा। कोर्स का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को इंडस्ट्री रेडी बनाना तथा उन्हें नई तकनीकी चुनौतियों के लिए तैयार करना है। प्रो. रीटा ने बताया कि इस कोर्स में विद्यार्थियों को पायथन, रोस, आर्डुइनो, पीएलसी, मैटलैब, सॉलिडवर्क्स और लैबव्यू जैसे आधुनिक सॉफ्टवेयर एवं इंडस्ट्रियल टूल्स पर हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग दी जाएगी। साथ ही अत्याधुनिक लैब, लाइव प्रोजेक्ट्स, इंडस्ट्रियल विजिट्स और इंटर्नशिप के माध्यम से व्यावहारिक अनुभव भी प्रदान किया जाएगा।

जिला स्तरीय वुशू प्रतियोगिता में 200 खिलाड़ी दिखाएंगे प्रतिभा

कुरुक्षेत्र। जिला वुशू संघ कुरुक्षेत्र द्वारा शनिवार को द्रोणाचार्य स्टेडियम के योगा हॉल में 19वीं जिला स्तरीय वुशू प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिला वुशू संघ के महासचिव संतोष पासवान ने बताया कि प्रतियोगिता का शुभारंभ समाजसेवी राहुल सैनी ने किया। इस प्रतियोगिता में कुरुक्षेत्र जिले के 200 महिला एवं पुरुष खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। प्रतियोगिता के विजेता रहे खिलाडी आगामी होने वाले राज्य स्तरीय प्रतियोगिता मे भाग लेंगे। मुख्यातिथि ने खिलाडिय़ों का परिचय लेते हुए उन्हें ईमानदारी से खेलने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि खेल मानव जीवन का अहम अंग है। इनके बिना मानव जीवन संपूर्ण नहीं। खेलों से जहां नेतृत्व का गुण पैदा होता है।

29 मई को सांझा मोर्चा का डिपुओ पर प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

ऑल हरियाणा रोडवेज वर्कर्स यूनियन 1947 के प्रदेश अध्यक्ष मायाराम उनियाल, प्रदेश महासचिव बलदेव सिंह मामू माजरा, कोषाध्यक्ष रघुवीर पंजाबी, उप महासचिव जोगिंदर दुल, प्रदेश प्रेस प्रवक्ता रंजीत करोड़ा ने संयुक्त व्यान जारी करते हुए कहा कि हरियाणा सरकार रोडवेज के कर्मचारियों का शोषण कर रही है रोडवेज विभाग में चालक, परिचालक व बसों की मरम्मत के लिए मैकेनिक, हेल्पर, वॉशिंग बाय सफाई कर्मचारियों के हजारों पद खाली पड़े है। यूनियन पदाधिकारियों ने आग्रह किया कि 29 मई से पहले परिवहन मंत्री या मुख्यमंत्री सांझा मोर्चा को बुलाकर बातचीत करें अन्यथा पूरे रोडवेज के कर्मचारी सांझा मोर्चे के बैनर तले 29 मई को सभी डिपुओ में सुबह 10 से लेकर दोपहर बाद 3 तक धरना प्रदर्शन किया जाएगा। कहा कि प्रदेश सरकार रोडवेज विभाग का निजीकरण करके पूंजीपत्तियों के हाथों में सोप रही है। प्रदेश सरकार प्रदेश की जनसंख्या अनुसार सरकारी बसों की बढ़ोतरी न करके महंगी दरो पर ठेके की इलेक्ट्रिक बसों को बेड़े में शामिल कर रही है। जिससे रोडवेज विभाग को बहुत घाटा हो रहा है। इन बसों में बुजुर्गों, छात्र-छात्राओं व आम जनता को रियायती दरों पर सुविधाओं का लाभ भी नहीं दिया जा है।

बाबा श्रवण नाथ स्कूल में मेधावी बच्चे सम्मानित

पिहोवा। भारतीय शिक्षा समिति द्वारा संचालित बाबा श्रवणनाथ विद्यालय में हरियाणा बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में संगमेश्वर महादेव मंदिर के सचिव महंत विश्वनाथ गिरी मुख्यातिथि और नगर पालिका प्रधान आशीष चक्रपाणि विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विद्यालय के 12वीं में 13 और 10वीं में 18 विद्यार्थियों ने मेरिट सूची में स्थान प्राप्त किया। 10वीं में प्रीत ने 472 अंक तथा 12वीं में शिवम ने 464 अंक हासिल कर टॉप किया। अतिथियों ने विद्यार्थियों को आशीर्वाद देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। स्कूल प्रबंधन ने सभी मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया।

प्रगणकों के पहचान पत्र अवश्य देखें, न दें बैंक अकाउंट की जानकारी

कुरुक्षेत्र। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने बताया कि कुरुक्षेत्र में प्रशासन द्वारा अधिकृत प्रगणक घर-घर जाकर देशव्यापी जनगणना का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि नागरिक गणना कर्मियों को सही जानकारी दें, लेकिन पहचान पत्र अवश्य जांचें और बैंक खाता, आधार, पैन या ओटीपी जैसी संवेदनशील जानकारी साझा न करें। जनगणना कार्य 30 मई तक पूरा किया जाएगा और इसमें दी गई सभी जानकारी पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी। उपायुक्त ने लोगों से अपील की कि वे सजग रहते हुए जनगणना कार्य में पूरा सहयोग करें। जनगणना कार्य को सफल बनाने के लिए सभी नागरिकों से सहभागिता एवं सहयोग की अपेक्षा की।

किसानों की आय दोगुनी करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध

लाडवा। मार्केट कमेटी चेयरमैन डा. गणेश दत्त ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा विपणन सीजन 2026-27 के लिए सभी अधिसूचित खरीफ फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में बढ़ोतरी करके किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में फैसला लिया है। यह निर्णय किसानों की आय दोगुनी करने की सरकार की प्रतिबद्धता को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। चेयरमैन डा. गणेश दत्त ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार व्यक्त किया है। चेयरमैन डा. गणेश दत्त ने कहा कि पिछले कई वर्षों से केंद्र सरकार रबी और खरीफ दोनों फसलों के लिए बुवाई सीजन शुरू होने से पहले ही न्यूनतम समर्थन मूल्य घोषित कर रही है।

सतलुज सीसे स्कूल के छात्रों ने किया वाटर पार्क का भ्रमण

शाहबाद। सतलुज सीनियर सेकेंडरी स्कूल के प्रधानाचार्य डॉ. आरएस घुम्मन ने जानकारी देते हुए बताया कि विद्यार्थियों के मनोरंजन और गर्मी से कुछ पल की राहत देने के उद्देश्य से स्कूल की ओर से वाटर पार्क ट्रिप और पूल पार्टी का आयोजन किया गया। उन्होंने बताया कि बच्चों के मनोरंजन के लिए कक्षा चौथी से बारहवीं तक के विद्यार्थियों के लिए यमुनानगर स्थित वाटर पार्क के एक दिवसीय ट्रिप का आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल किताबों तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि बच्चों के मनोरंजन और उनके सर्वांगीण विकास के लिए ऐसे आयोजन बेहद जरूरी हैं। वाटर पार्क में बच्चों ने विभिन्न प्रकार की वॉटर स्लाइड्स, वेव पूल और म्यूजिPक का जमकर आनंद लिया। इसके साथ ही, नर्सरी से तीसरी कक्षा तक के विद्यार्थियों के लिए स्कूल परिसर में एक भव्य पूल पार्टी का आयोजन किया गया।

गुरुकुल स्कूल में इंटरनेशनल मॉडल यूनाइटेड नेशंस सम्मेलन

छात्रों को नेतृत्व, संवाद व वैश्विक समझ विकसित करने पर दिया जोर

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र के गुरुकुल स्कूल में विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास और अंतरराष्ट्रीय समझ को बढ़ावा देने के उद्देश्य से दो दिवसीय इंटरनेशनल मॉडल यूनाइटेड नेशंस सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कक्षा 6 से 12 तक के लगभग 600 विद्यार्थियों ने भाग लिया। शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. राजेंद्र विद्यालंकार, ओएसडी टू गवर्नर, गुजरात द्वारा दीप प्रज्वलन से हुआ। गुरुकुल निदेशक ब्रिगेडियर डॉ. प्रवीण कुमार शर्मा ने स्वागत भाषण में ऐसे आयोजनों को नेतृत्व, संवाद कौशल और वैश्विक समझ विकसित करने के लिए महत्वपूर्ण बताया। मुख्य अतिथि ने विद्यार्थियों को नैतिक मूल्यों, अनुशासन और विश्व बंधुत्व अपनाने की प्रेरणा दी।

जिला शिक्षा अधिकारी ने हरियाणा सुपर 100 कैंपस का किया निरीक्षण

विद्यार्थियों के साथ भोजन कर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

- कैंपस में शिक्षा, हॉस्टल और सुविधाओं पर जताया संतोष, सुपर 100 से आईआईटी, एम्स और एनआईटी में चयन का दिया उदाहरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

हरियाणा सुपर 100 कैंपस में शनिवार को जिला शिक्षा अधिकारी विनोद कौशिक ने दौरा किया। इस दौरान उन्होंने कैंपस में विद्यार्थियों को दी जा रही सुविधाओं, पढ़ाई के माहौल और रहने-खाने की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। करीब दो घंटे तक कैंपस में रहकर उन्होंने बच्चों से बातचीत की और उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी ली। इस निरीक्षण के दौरान जिला शिक्षा अधिकारी ने छात्रों से व्यक्तिगत रूप से बात की। विद्यार्थियों ने बताया कि उन्हें पढ़ाई, भोजन, हॉस्टल और अन्य सुविधाओं में किसी प्रकार की परेशानी नहीं है। कैंपस का वातावरण अनुशासित और सकारात्मक पाया गया। इस दौरे के दौरान उन्होंने विद्यार्थियों के साथ पंगत में बैठकर भोजन करते भी नजर आए। उन्होंने बताया कि संस्थान के शैक्षणिक परिणाम भी लगातार बेहतर रहे हैं। अभी तक यहां के 109 आईआईटी, आईआईआईटी और एनआईटी में 117, ऐम्स में 10 और अन्य मेडिकल कॉलेजिस में 63 पूर्व छात्र पढ़ाई कर रहे हैं।

परियोजना | **रोटरी से सिकरी व लक्ष्मण चौक तक बनेगा नाला**

शहर के विकास में बजट की कोई कमी आने नहीं दी जाएगी

वार्ड 29 व 30 में 73 लाख की लागत से नाला निर्माण कार्य का शिलान्यास

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि थानेसर हलका में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में तीन गुणा गति के साथ विकास कार्य किए जा रहे हैं। इस हलका के गांव और शहरों में सबका साथ सबका विकास नीति को आधार मानकर विकास कार्यों को अमलीजामा पहनाया जा रहा है। शहर के विकास में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी बजट की कोई कमी नहीं रख रहे। आए दिन शहर में एक के बाद एक विकास कार्यों के उद्घाटन व शिलान्यास हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि शहर के किसी भी प्रोजेक्ट को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के पास ले जाने के देरी हैं, वहां से परियोजना को मंजूरी साथ के साथ मिल रही है। पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा गत देर सायं वार्ड 30 व वार्ड 29 में लगभग 73 लाख की लागत से बनने वाले नाले के निर्माण कार्य का शिलान्यास करने उपरांत बोल रहे थे।

इससे पहले हरियाणा के पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने वार्ड नं. 30 में रोटरी चौक से सिकरी चौक तक लगभग 36 लाख रुपए की लागत से बनने वाले नाले के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया। इसके अलावा वार्ड नं. 29 में रोटरी चौक से लक्ष्मण चौक तक लगभग 37 लाख रुपए की लागत से बनने वाले नाले के निर्माण कार्य का भी शिलान्यास किया।

मौजूद रहे

इस अवसर पर नरेंद्र चौहान, कवि बजाज एमसी, सुधीर चुघ एमसी, वेदपाल प्रजापत, सुभाष नरूला, हरीश अरोड़ा, मनोज गोयल, तिलकराज सहगल, अजय, मुखी, मोदी चाट, आनंद ग्रोवर सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

कथा में श्रीकृष्ण-रुक्मिणी विवाह प्रसंग सुनाया

थानेसर। जय मां दुर्गा-जय श्री महाकाल ट्रस्ट द्वारा वार्ड नम्बर 20 के गुरुदेव नगर,7-बी में पुरुषोत्तम मास के उपलक्ष्य में करवाई जा रही श्रीमद् भागवत महापुराण कथा के छठे दिन कथाव्यास पंडित विकास कौशिक ने श्रीकृष्ण-रुक्मिणी विवाह प्रसंग का वर्णन भजनों सहित विस्तार से सुनाया। इस दौरान काशी से सनातन शास्त्र मर्मज्ञ संत गुरुचरण दास महाराज ने पुरुषोत्तम मास महिमा बताई। कथा से पूर्व मुख्य यजमान एवं ट्रस्ट के अध्यक्ष पंडित राजेश मोदगिल परिवार ने भागवत पूजन करके मंच पर विराजमान संतों का सत्कार किया। कथा के दौरान समाजसेवी अशोक शर्मा पहलवान और स्थाणु सेवा मण्डल के प्रधान सतीश शर्मा सहित नगर की कई संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने कथा श्रवण की। भागवत प्रवचनों में कथाव्यास पंडित विकास कौशिक ने कहा कि श्रीकृष्ण और रुक्मणी का विवाह एक अत्यंत पवित्र और दिव्य प्रसंग सुनाया।

खबर संक्षेप

वार्ड-16 में सीवरेज कार्य शुरू जलभराव से मिलेगी राहत

बराड़ा। नगर पालिका द्वारा वार्ड नंबर-16 में लंबे समय से चली आ रही समस्या के समाधान के लिए सीवरेज लाइन बिछाने का कार्य शुरू कर दिया गया। कार्य का शुभारंभ नपा अध्यक्ष रजत मलिक, जनस्वास्थ्य विभाग के एसडीओ सुभाष, जेई दीपक राणा तथा वार्ड सदस्य गुरजिंदर कौर की मौजूदगी में किया गया। लोग बोले सीवरेज व्यवस्था नहीं होने से गंदे पानी की निकासी व जलभराव की समस्या बनी हुई थी।

जीएमएस फोक्सा को मिला हाईटेक पोडियम

बराड़ा। शिक्षा के क्षेत्र में सामाजिक सहयोग की मिसाल पेश करते हुए पंचायत समिति सदस्य राजेश कुमार ने राजकीय माध्यमिक विद्यालय फोक्सा को आधुनिक हाईटेक पोडियम भेंट किया। शनिवार को आयोजित अध्यापक-अभिभावक मिलनी कार्यक्रम के दौरान विद्यालय प्रशासन को यह पोडियम सौंपा गया। पोडियम मिलने से विद्यालय परिवार में खुशी का माहौल देखने को मिला।

विज ने शहीद स्मारक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ की बैठक

आजादी की पहली लड़ाई को समर्पित शहीद स्मारक का जल्द होगा उद्घाटन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि 1857 में आजादी की पहली लड़ाई को समर्पित शहीद स्मारक का उद्घाटन जल्द होगा। मुख्यमंत्री नायब सैनी भी इस स्मारक का अवलोकन कर चुके हैं। इसी के दृष्टिगत जो शेष छोटे-मोटे कार्य बचे हुए है संबधित विभाग व एजेंसी उसे युद्ध स्तर पर करना सुनिश्चित करें। विज शनिवार को शहीद स्मारक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। इस मौके पर उनके साथ उपायुक्त अजय सिंह तोमर, एसडीएम अंबाला छावनी कनिका गोयल व शहीद स्मारक के निदेशक डॉ. कुलदीप सैनी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि यहां पर बनाया जा रहा आजादी की पहली लड़ाई का स्मारक राष्ट्रीय स्तर का स्मारक है।

अंबाला। डीसी को जरुरी निर्देश देते मंत्री अनिल विज।

स्मारक उद्घाटन की तैयारी, सुविधाओं पर विशेष जोर

दूर-दराज से पर्यटक आकर इसकी सुंदरता का आभास करेगें। इसी को ध्यान में रखते हुए स्मारक से जुड़े जो छोटे मोटे कार्य बचे है उन्हें पूरी तत्परता के साथ करना है। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस स्मारक का उदघाटन करेंगे। ऊर्जा मंत्री ने बैठक के दौरान संबंधित एजेंसियों एवं विभागों के अधिकारियों से जानकारी लेने के उपरांत यहां पर टिकट की बेहतर व्यवस्था , एंट्री एवं एग्जिट गेट के अलावा अनाधिकृत गेट न लगाने , म्यूजियम में लाईटिंग के साथ सीढियों के साथ लाइटिंग की के साथ-साथ रैंप की व्यवस्था के निर्देश दिए।

शहीदी स्मारक कार्यों को युद्धस्तर पर पूरा करें

स्मारक परिसर में रेलिंग की व्यवस्था के अलावा स्मारक के अंदर गैलरी से शुरू होकर बाहर तक आने वाले रास्ते एवं अन्य बिंदुओं बारे अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा चूंकि शहीद स्मारक का उदघाटन नजदीक है इसलिए कार्य युद्धस्तर पर किए जाएं। विज ने नेशनल हाइवे ऑथोरिटी ऑफ इंडिया की प्रोजेक्ट निदेशक को निर्देश दिए कि शहीद स्मारक के बाहर यानि जीटी रोड पर एक्सीलेटर की व्यवस्था की जाए। साथ ही जीटी रोड पर फेंसी लाइट तथा पौधरोपण के निर्देश दिए। उन्होंने पीडब्ल्यूडी के इलेक्ट्रिकल विंग के एक्सईन को भी निर्देश दिए कि शहीदी स्मारक के बाहर तथा अंदर लाईटों की बेहतर व्यवस्था करना सुनिश्चित करें ताकि रात के समय में लोगों को इस स्मारक की सुंदरता दिख सके। मंत्री ने यह भी निर्देश दिए कि आजादी की पहली लड़ाई अंबाला छावनी से शुरू हुई थी यानि मेरठ से 10 घंटे पहले क्रांतिकारियों ने इसकी शुरूआत कर दी थी जिसके तथ्य भी हैं। उन्होंने कहा कि इस सारे विवरण को यहां पर थ्री-डी के माध्यम से दर्शाया जाए ताकि यहां पर आने वाले पर्यटकों एवं अन्य को आजादी की पहली लड़ाई एवं उसकी घटनाओं तथा इतिहास के बारे में संपूर्ण जानकारी मिल सके। उन्होंने यह भी कहा कि यह भव्य स्मारक युवाओं के साथ -साथ अन्य के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बनेगा। शहीदी स्मारक के निदेशक डॉ. कुलदीप सैनी ने भव्य स्मारक की तमाम कार्यों की विस्तार से जानकारी दी।

हीट वेव के बीच स्कूल खोलने वाले संचालकों पर कार्रवाई करने की तैयारी

- समर कैंप, यूनिट टेस्ट, ऑनलाइन कक्षाओं और सेमिनार के नाम पर नहीं बुलाए जाएंगे छात्र व शिक्षक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

लगातार बढ़ रही भीषण गर्मी और हीट वेव को देखते हुए प्रदेश सरकार तथा स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा 25 से 30 जून तक सभी स्कूलों में ग्रीष्मकालीन अवकाश घोषित किया गया है। इसके बावजूद कुछ निजी स्कूल प्रबंधक विभिन्न गतिविधियों के नाम पर स्कूल खोलकर शिक्षकों और छात्रों को बुला रहे हैं। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए जिला शिक्षा अधिकारी सुधीर कालड़ा ने सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को कड़े निर्देश जारी किए हैं। डीईओ कार्यालय की ओर से जारी निर्देशों में कहा गया है कि सरकार के स्पष्ट आदेशों के बावजूद कुछ निजी स्कूल प्रबंधक ग्रीष्मावकाश के दौरान समर कैंप, गैर-जरूरी सेमिनार, प्री-समर वेकेशन यूनिट टेस्ट, कंपार्टमेंट परीक्षा की तैयारी और स्कूल परिसर से ऑनलाइन कक्षाओं के संचालन इत्यादि के नाम पर शिक्षकों और कुछ मामलों में विद्यार्थियों को भी अपने स्कूलों में उपस्थित होने के निर्देश रहे हैं। इससे न केवल सरकारी आदेशों की अवहेलना हो रही है, बल्कि भीषण गर्मी के बीच बच्चों और शिक्षकों के स्वास्थ्य के साथ भी खिलवाड़ किया जा रहा है। यह कतई स्वीकार्य नहीं है। जिला शिक्षा अधिकारी ने सभी छह खंड शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्र के निजी स्कूलों को तुरंत सरकार के आदेशों का सख्ती से पालन करवाएं। यदि कोई स्कूल घोषित अवकाश अवधि में खुला पाया जाता है या वहां छात्रों अथवा शिक्षकों की उपस्थिति मिलती है, तो संबंधित स्कूल प्रबंधक के खिलाफ तुरंत शो-कॉज नोटिस जारी किया जाए। खास बात यह है कि कार्रवाई के लिए किसी लिखित शिकायत का इंतजार नहीं किया जाएगा। निर्देशों में यह भी स्पष्ट किया गया है कि सभी खंड शिक्षा अधिकारी नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करें और सरकारीआदेशों की पालना "लेटर एंड स्पिरिट" में करवाएं।

धान में तेजी से बढ़ रहा बौनापन रोग

- धान की नर्सरी की बुवाई से पहले करें बीज का उपचार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बराड़ा

धान की फसल को बीमारियों और विषाणु जनित रोगों से बचाने के लिए कृषि विशेषज्ञों ने किसानों को समय रहते सतर्क रहने और बीज उपचार अपनाने की सलाह दी है। विशेषज्ञों के अनुसार बुवाई से पहले बीजों का सही उपचार करने से कई प्रकार की बीमारियों से बचाव संभव है। फसल की गुणवत्ता भी बेहतर होती है। कृषि विकास अधिकारी विनय कुमार के अनुसार 10–12 किलोग्राम धान के बीज के लिए 10 लीटर पानी में 10 ग्राम कार्बेंडाजिम (बॉविस्टिन) और 1 ग्राम स्ट्रेप्टोसाइक्लिन मिलाकर घोल तैयार करें।

रोग रोकथाम और कीट नियंत्रण पर किसानों को सलाह

बीजों को इस घोल में 24 घंटे तक भिगोकर रखें। इसके बाद उपचारित बीजों को निकालकर पक्के फर्श या बोरी के ढेर पर छाया में रखें। गीली बोरी से 24 से 36 घंटे तक ढककर रखें। अंकुरण बेहतर करने के लिए समय-समय पर हल्का पानी छिड़कते रहें। किसानों को सलाह दी गई है कि धान की नर्सरी की बिजाई का समय अब चल रहा है। मक्के के खेतों के पास नर्सरी लगाने से बचें। साथ ही खेतों की नियमित निगरानी करें। कीट नियंत्रण के लिए डॉयनोटिफ्यूरॉन 20 प्रतिशत एसजी 80 ग्राम प्रति एकड़ या पाइमेट्रोजिन 50 प्रतिशत डब्ल्यूजी 120 ग्राम प्रति एकड़ दवा का 200 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। पहला छिड़काव नर्सरी बिजाई के 12–15 दिन बाद तथा दूसरा 21–25 दिन बाद करना आवश्यक बताया गया है। संक्रमित पौधों को तुरंत उखाड़कर नष्ट करने की भी सलाह दी गई है। विशेषज्ञ विनय कुमार ने किसानों को धान में तेजी से फैल रहे बौनापन रोग को लेकर भी सावधान किया है। यह विषाणु जनित बीमारी वर्ष 2022 के बाद प्रदेश के अधिकांश धान उत्पादक क्षेत्रों में देखी जा रही है। इस रोग के कारण पौधे छोटे रह जाते हैं तथा उनकी वृद्धि रुक जाती है। सबसे अधिक प्रभाव हाइब्रिड किस्मों में देखा गया है जबकि परमल और बासमती किस्में भी इससे प्रभावित हो रही हैं। रोग की पहचान खेतों में छोटे-छोटे पैच के रूप में बौने पौधों के दिखाई देने, पत्तियों के गहरे हरे रंग तथा जड़ों के कमजोर विकास से की जा सकती है। कृषि वैज्ञानिकों ने बताया कि सफेद पीठ वाला तेला इस रोग का मुख्य वाहक है इसलिए इसके नियंत्रण पर विशेष ध्यान देना जरूरी है।

मानसून से पहले फिर जागा प्रशासन बैठकों तक सिमटी बाढ़ रोकने की तैयारी

- बराड़ा में हर साल बरसात के मौसम में बनते है बाढ़ जैसे हालात

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बराड़ा

उपमंडल में हर साल की तरह इस बार भी मानसून आने से पहले प्रशासनिक बैठकों और बड़े-बड़े दावों का दौर शुरू हो गया है। एसडीएम कार्यालय में अधिकारियों को नालों की सफाई, जल निकासी और बाढ़ से निपटने के इंतजामों के निर्देश तो दे दिए गए, लेकिन सवाल यह है कि आखिर ये सब तैयारियां जमीन पर कब नजर आएंगी? उपमंडल अधिकारी सतिंद्र सिवाच ने संबंधित विभागों की बैठक लेकर संभावित बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में समय रहते प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान पंचायत विभाग, नगर पालिका, जन स्वास्थ्य विभाग, सिंचाई विभाग और पीडब्ल्यूडी को नालों, नालियों और पुलियों की सफाई जल्द पूरी करने के आदेश दिए गए। साथ ही बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए पंप, नौकाएं और गोताखोर तैयार रखने की बात कही गई।

महज खानापूर्ति बनी बैठकें

ऐसे में प्रशासन की यह तैयारी बैठक लोगों को केवल खानापूर्ति नजर आ रही है। हर साल बारिश के दौरान जलभराव से लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है, मगर प्रशासन मानसून सिर पर आने के बाद ही हरकत में आता दिखाई देता है। बैठक में अधिकारियों को समय सीमा में काम पूरा करने के निर्देश तो दिए गए, लेकिन अब तक यह साफ नहीं हो पाया कि पिछले वर्षों में जिन क्षेत्रों में जलभराव और बाढ़ जैसी स्थिति बनी थी, वहां स्थायी समाधान के लिए आखिर क्या कार्रवाई हुई है।

यूपी-हरियाणा में बेचा जा रहा था पंजाब से खरीदा सस्ता मिलावटी पेट्रोल

- पूछताछ के दौरान आरोपियों ने किया खुलासा, जांच के बाद पहुंचे जेल, पुलिस ने पकड़ा था पांच हजार मिलावटी तेल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

पंजाब से पांच हजार लीटर पेट्रोल खरीदकर यूपी में तस्करी करने के मामले ने पुलिस और खाद्य आपूर्ति विभाग अफसर बेहद हैरान हैं। इस प्रकार की तस्करी लंबे समय से राज्य में देखने को नहीं मिली थी। बीते रोज शंभू बॉर्डर पर पकड़े गए आरोपियों से पुलिस ने जब पूछताछ तो सामने आया कि पंजाब से मिलावटी पेट्रोल सस्ते रेट में खरीदा जा रहा था, इसके बाद इसे यूपी और हरियाणा के बॉर्डर के इलाकों में इसकी बिक्री हो रही थी। पेट्रोल में क्या मिला रहे थे इसकी पड़ताल के लिए सैंपल लैब में अधिकारियों के द्वारा भेजे गए हैं। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही पुष्टि हो सकेगी कि तस्कर पेट्रोल में क्या मिला रहे थे वहीं ईरान अमेरिका के बीच तनाव के चलते पेट्रोल डीजल को एसेंशियल कमोडिटी एक्ट में शामिल किया गया है तो इसी के तहत संबंधित आरोपियों पर कार्रवाई हो रही है। आरोपियों को पुलिस ने कोर्ट में पेश किया जहां से उन्हें हिरासत में भेज दिया गया। पंजाब में पेट्रोल डीजल के दाम हरियाणा और उत्तर प्रदेश से अधिक हैं। पंजाब में अभी 102 रुपये से अधिक दाम पेट्रोल के हैं जबकि डीजल भी हरियाणा से तीन रुपये महंगा है। ऐसे में पुलिस अधिकारियों को इस बात ने हैरान कर दिया कि तस्कर महंगा तेल क्यों खरीदकर सस्ते में बेच रहे हैं। मामले के जांच अधिकारी ने बताया कि आरोपियों से गहनता से पूछताछ की गई तो उन्होंने बताया कि पंजाब से मिलावटी पेट्रोल लाकर उसे अन्य राज्यों में खपाया जा रहा है, ऐसे किसी को शक भी नहीं होता और उसे सस्ते दामों में बेच भी दिया जाता है।

NEW HAPPY PUBLIC SCHOOL

Opp. I.T.I., YAMUNANAGAR (AFFILIATED TO C.B.S.E., NEW DELHI)

ACADEMIC EXCELLENCE - CBSE RESULT 2025-26

CLASS XII TOPPERS

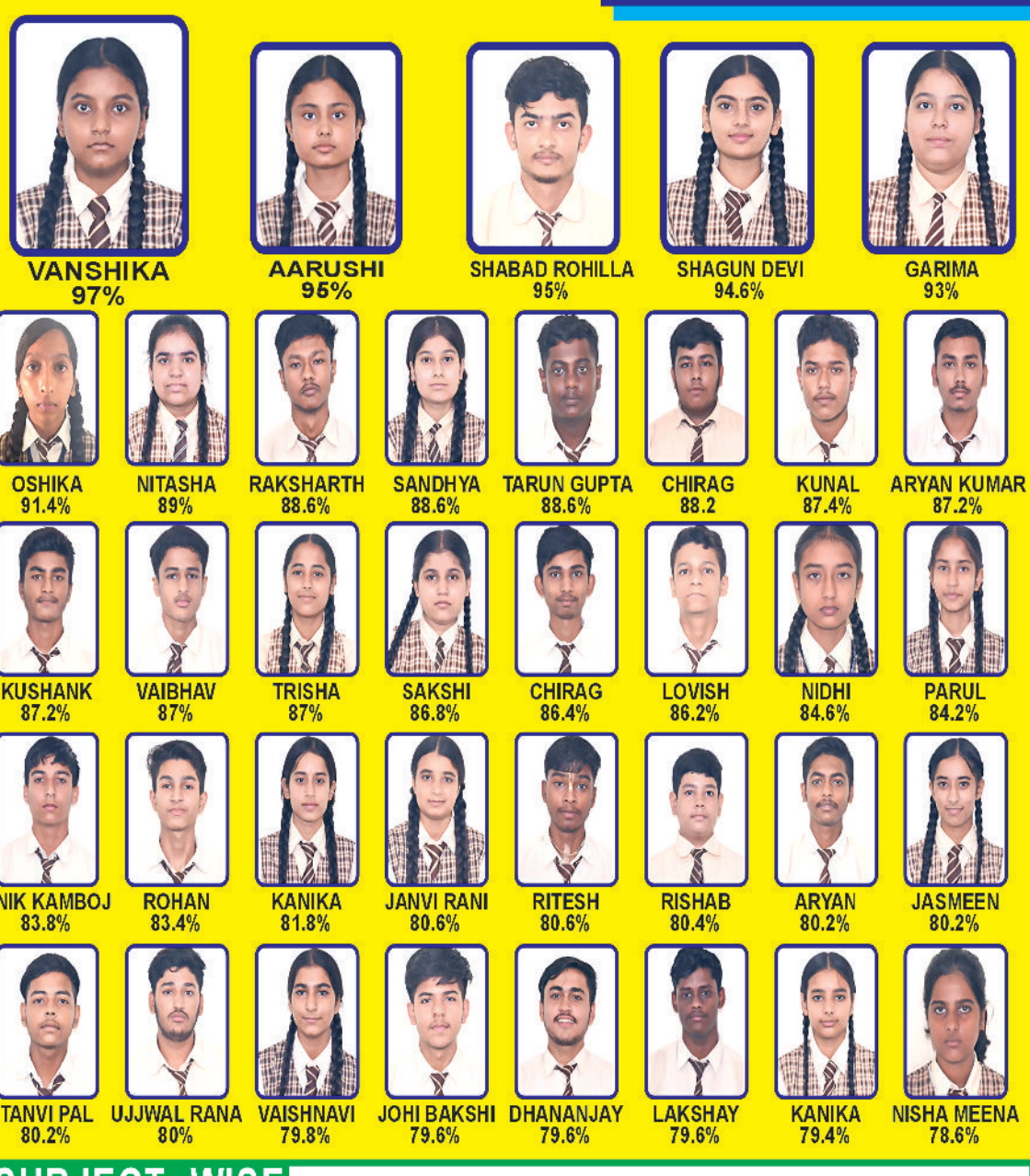

SUBJECT WISE HIGHEST MARKS — ENGLISH 97, PHYSICS 92, MATHS 95, ACC. 97, P.Edu 97; MUSIC 100, CHEM. 93, BIO. 95, B.ST. 95, Eco. 95

CLASS X TOPPERS

SUBJECT WISE HIGHEST MARKS — ENGLISH 98, MATHS 95, S.ST 95; HINDI 95, SCIENCE 96, I.T. 99

G.S. Sharma (Chairman) — Dr. Bindu Sharma (Principal)

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
P-1
रोहतक,रविवार 24 मई 2026

जीवन की दिशा बदल देगा
जापानी मेनीफेस्टेशन

जापानी संस्कृति अपनी विशिष्ट जीवनशैली और अनूठे दर्शन के लिए पूरी दुनिया में जानी जाती है। यहां पर मेनीफेस्टेशन को केवल इच्छा पूर्ति का साधन ही नहीं, बल्कि अनुशासन, कृतज्ञता और ब्रह्मांड के साथ तालमेल बिठाने की एक कला भी माना जाता है। इसमें कई ऐसी कारगर तकनीकें अपनाई जाती हैं, जो आपके जीवन को पूरी तरह सकारात्मक दिशा में मोड़ देती हैं। इनमें से कुछ तकनीकों के बारे में जानिए।

{ कवर स्टोरी / शिखर चंद जैन }

एक मशहूर जापानी कहावत है- 'सात बार गिरो, आठ बार उठो।' इससे ही साबित होता है कि जापानी संस्कृति और जीवनशैली में कितनी सकारात्मकता शामिल है। जापानी जीवनशैली और दर्शन में जीवन की धारा बदलने के लिए मेनीफेस्टेशन के नायाब और बेहतरीन तरीके मौजूद हैं। जापानी मेनीफेस्टेशन को इच्छा पूर्ति का साधन मात्र नहीं माना जाता है। यह जीवन में संतुलन बनाने और तालमेल बिठाने की एक कला सिखाता है। जापानी मेनीफेस्टेशन तकनीकें हमें सिखाती हैं कि सपने देखना केवल पहला कदम है। उन सपनों को अनुशासन, कृतज्ञता और धैर्य के साथ सींचना ही असली कला है। कह सकते हैं कि मेनीफेस्टेशन का असली जादू, हार न मानने वाले जज्बे में छिपा होता है।

क्या है जापानी मेनीफेस्टेशन

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में हर व्यक्ति अपने सपनों को साकार करना चाहता है। उसके लिए हर संभव प्रयास करता है। पश्चिमी देशों में 'लॉ ऑफ अट्रैक्शन' की चर्चा जोरों पर है। लेकिन इसके विपरीत पूर्व में, विशेषकर जापान में, इच्छा पूर्ति के लिए सदियों पुराने ऐसे तरीके मौजूद हैं, जो न केवल प्रभावी हैं बल्कि व्यक्ति के चरित्र निर्माण में भी मदद करते हैं। जापानी मेनीफेस्टेशन तकनीकें केवल सोचने पर नहीं, बल्कि हमारे प्रयास करने और सपने साकार होने के गहरे संतुलन पर आधारित होती हैं। यहां जापानी मेनीफेस्टेशन से जुड़ी कुछ पद्धतियों के बारे में बता रहे हैं।

योशुकु करें सफलता का पूर्वाभास

यह एक प्राचीन जापानी तकनीक है, जिसे प्री सेलिब्रेशन के रूप में जाना जाता है। इसका मूल सिद्धांत यह है कि आप अपनी सफलता की खुशी पहले ही मना लें, ताकि उसे हकीकत में बदला जा सके। जापानी संस्कृति में यह माना जाता है कि 'भविष्य को वर्तमान में जीना' सफलता को आकर्षित करता है। यह उस भावना को पूरी तरह महसूस करने के बारे में है, जो आपको लक्ष्य प्राप्त करने के बाद होगी। इसमें कहा जाता है कि सबसे पहले स्पष्ट करें कि आप क्या हासिल करना चाहते हैं? इसके बाद इमेजिन करें कि वह सफलता आपको प्राप्त हो चुकी है। इसे रियल फील करने के लिए अपने दोस्तों या परिवार के सदस्यों और रिश्तेदारों के साथ एक छोटी-सी पार्टी करें, दूसरों की 'बधाई' स्वीकार करें। आंखें बंद करें और इमेजिन करें कि आप क्या पहन रहे हैं, कौन आपके पास है और आप कैसा महसूस कर रहे हैं? फिर ब्रह्मांड को 'धन्यवाद' कहें जैसे कि काम पहले ही पूरा हो चुका है। या फिर अपनी डायरी में आज की तारीख डालें और लिखें, 'आज मैंने अपना लक्ष्य प्राप्त कर लिया और मुझे बहुत खुशी हो रही है।' योशुकु दिमाग की प्रोग्रामिंग को प्रभावित करता है। यह आपके अवचेतन मन को सफलता के लिए ट्यून करता है। जब आप पहले ही 'जीत' महसूस करते हैं, तो असफलता का डर खत्म हो जाता है।

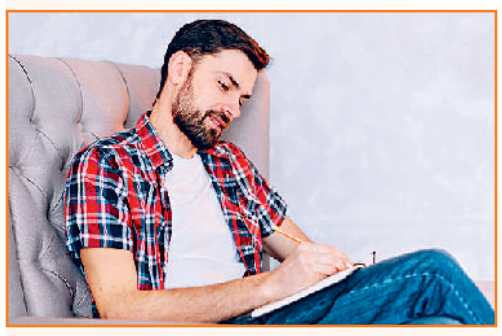

अरिगातो व्यक्त करते रहें कृतज्ञता

जापानी संस्कृति में 'कृतज्ञता' को सबसे बड़ी ऊर्जा माना गया है। 'अरिगातो' यानी धन्यवाद शब्द में जापानी लोग जादू मानते हैं। इस दर्शन के तहत मेनीफेस्टेशन की खास एक तकनीक है-'पैसों को धन्यवाद देना'। जब आप पैसे खर्च करते हैं, तो मन ही मन उसे 'अरिगातो' कहें ताकि वह समाज में खुशी फैलाए। जब पैसे आएं, तब भी 'अरिगातो' कहें। यह सकारात्मक ऊर्जा का एक चक्र बनाता है, जो प्रचुरता को आकर्षित करता है। आप स्वयं को संपन्न मानकर ज्यादा आत्मविश्वास के साथ काम करते हैं।

कइजन हर दिन सीखें नई तकनीक

मेनीफेस्टेशन केवल कल्पना करना नहीं होता है। कइजन तकनीक कहती है कि हर दिन केवल 1 प्रतिशत सुधार करें। अगर आप अमीर बनना चाहते हैं, तो हर दिन धन प्रबंधन के बारे में एक छोटी-सी ही सही कोई उपयोगी बात या तरीका सीखें। यह निरंतरता आपके अवचेतन मन को विश्वास दिलाती है कि आप बदल रहे हैं, और यही विश्वास हकीकत को बदल देता है।

कहने का सार है कि जापानी जीवनशैली और संस्कृति, मेनीफेस्टेशन के जरिए जीवन की धारा सकारात्मक दिशा में मोड़ने के लिए प्रेरित करती है। *

दारुमा गुड़िया संकल्प की दिलाए याद

दारुमा गुड़िया जापान की सबसे प्रसिद्ध मेनीफेस्टेशन तकनीकों में से एक है। यह लाल रंग की गोल गुड़िया होती है, जिसकी आंखें खाली यानी सफेद होती हैं। जब आप कोई बड़ा लक्ष्य निर्धारित करते हैं, तो दारुमा की बाईं आंख को काले रंग से भरते हुए अपनी इच्छा दोहराएं। अब इस गुड़िया को घर के किसी ऐसे कोने में रखें, जहां आपकी नजर बार-बार पड़े। जब वह लक्ष्य पूरा हो जाए, तब इसकी दूसरी (दाईं) आंख को काले रंग से भरें। यह तकनीक हमें लगातार हमारे संकल्प की याद दिलाती रहती है।

एमा ब्रह्मांड को अपनी इच्छा सौंपने की तकनीक

एमा एक तरह की प्रार्थना पट्टिकाएं होती हैं। जापानी मंदिरों (शिंतो मंदिरों) में लकड़ी की पट्टिकाएं लगी होती हैं, जिन्हें एमा कहा जाता है। लोग इन पर अपनी इच्छाएं लिखकर मंदिर में टांग देते हैं। यह आत्मसमर्पण की प्रक्रिया है। अपनी इच्छा को लिखकर ब्रह्मांड (या ईश्वर) को सौंप देना तनाव को खत्म करता है और आत्मविश्वास बढ़ाता है। जिससे मेनीफेस्टेशन की गति बढ़ जाती है।

इस बात में कोई दो राय नहीं है कि हमारी वर्तमान पहचान, हमारे अतीत पर टिकी होती है। यह इस बात पर निर्भर करती है कि हम अपनी स्मृतियों से कितना जुड़े हैं, उसे कितना मान देते हैं। आज तकनीक हमें अपने अतीत, रिश्तों और संवेदनाओं से निरंतर दूर कर रही है। ऐसे में स्मृतियों को संजोने का संकट खड़ा हो गया है।

स्मृतियां ही संजोती हैं यादें-रिश्ते-विरासत

{ जीवनशैली / लोकमित्र गौतम }

आज की तेज रफ्तार जिंदगी में जहां लोग भविष्य की दौड़ में लगातार आगे बढ़ रहे हैं, वहीं पीछे छूटती स्मृतियां हमें बार-बार यह याद दिलाती हैं कि बिना जड़ों के कोई भी वृक्ष लंबे समय तक हरा-भरा नहीं रह सकता। बचपन की शरारतें, बुजुर्गों की सीखें, संघर्षों की कहानियां, देश के इतिहास की गौरव गाथाएं और अपनों के साथ बिताए छोटे-छोटे पल, ये वो धरोहरें हैं, जो इंसान को अंदर से संपन्न बनाती हैं। वास्तव में स्मृतियां ही हर सभ्य समाज की सांस्कृतिक और भावनात्मक पूंजी होती हैं। जिस समाज की अपनी स्मृतियां जीवित रहती हैं, उसकी संवेदनाएं भी जीवित रहती हैं।

तस्वीरों से नहीं रहा भावनात्मक जुड़ाव: आज का डिजिटल युग स्मृतियों को एक अजीब से मोड़ पर ले आया है। हमारे हाथ में मौजूद मोबाइल फोन में एक ही समय पर लाखों तस्वीरें मौजूद होती हैं। जबकि पिछली सदी के श्याम-श्वेत जमाने में लोग कुछ फोटोज को हमेशा अपने सीने से लगाए रहते, उससे जुड़ी यादों के सहारे कभी हंस तो कभी रो लिया करते थे। एक दौर था, जब हमारे पास कई सारी तस्वीरें होना बहुत बड़ी खुशी देने वाली बात होती थी। लेकिन अब ऐसा नहीं है। अब शायद ही कोई व्यक्ति हो, जिसके मोबाइल में अपनी और अपनों की बेशुमार तस्वीरें न हों। लेकिन शायद ही उन तस्वीरों से कोई भावनात्मक जुड़ाव महसूस होता हो, जैसे पहले होता था। तस्वीरों को लेकर स्मृतियों का गायब होना या तस्वीरों को लेकर हमारे दिलोदिमाग में कोई खास पल, कोई खास मौका याद न आना, इस बात का सबूत है कि अब तस्वीरें हमारे जेहन में अपनी वैसी जगह नहीं बनातीं, जैसे पहले बनाया करती थीं।

स्मृतियां बनाती हैं संवेदनशील: स्मृतियां व्यक्ति को एक संवेदनशील नागरिक बनाने में भी महत्ती भूमिका निभाती हैं। बचपन के दिन, गांव की गलियां, मां के साथ जुड़ी अनगिनत स्मृतियां, दादा-दादी की कहानियां, शिक्षकों की सीखें और ऐतिहासिक घटनाओं के एहसास से बनी स्मृतियां वाकई यही सब चीजें होती हैं, जो हमें एक बेहद संवेदनशील मनुष्य बनाती हैं। जब कोई व्यक्ति अपनी स्मृतियों से कट जाता है, तो वह अपने मूल से अपने जीवन के सबसे गहन हिस्से से कट जाता है। इसलिए राष्ट्रीय स्मृति दिवस हमें अपनी जड़ों से और अपने मूल से जुड़ने की प्रेरणा देता है।

स्मृतियों की सांस्कृतिक महत्ता: जब हम अपनी उपलब्धियों और संघर्षों को याद करते हैं, तब हम केवल इतिहास से नहीं गुजर रहे होते हैं, बल्कि अपने वर्तमान को भी मजबूत बना रहे होते हैं। हमारे अपने देश भारत में तो स्मृतियों का और भी गहरा महत्व है, क्योंकि हमारी समृद्ध विरासत लिखित होने से ज्यादा मौखिक है। लोककथाएं, लोकगीत, रामायण, महाभारत की कथाएं, गांवों और खेड़ों की दास्तानें, हमारे यहां पीढ़ी दर पीढ़ी ये स्मृतियां अगली पीढ़ियों को मिलती रहती हैं। यही कारण है कि भारतीय समाज में स्मरण को आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व तक दिया गया है।

प्रदान करती हैं भावनात्मक शक्ति: आज के समय में स्मृतियों का एक और महत्व है, क्योंकि आज हम उन्हें मानसिक स्वास्थ्य की दृष्टि से भी देखते हैं। सकारात्मक यादें, हर इंसान को भावनात्मक शक्ति देती हैं। परिवार के साथ बिताए गए मधुर क्षण, मित्रों की संगति या किसी प्रेरणादायक घटना की स्मृति, हमारे कठिन समय का सहारा होती है, क्योंकि उसमें सामाजिक जुड़ाव और भावनात्मक संतुलन की मजबूती होती है। हालांकि हमें यह भी नहीं भूलना चाहिए कि स्मृतियों का संबंध केवल सुखद अनुभव और यादों से ही नहीं होता है। इतिहास की त्रासदियां भी इंसान के सामूहिक स्मृति का हिस्सा होती हैं। युद्ध, महामारी, विभाजन या प्राकृतिक आपदाएं, मुनष्य को न केवल गहरे तक झकझोरती हैं बल्कि लंबे समय के लिए एक टीस हो जाती हैं। फिर इन्हें याद रखना इसलिए जरूरी होता है ताकि हम भविष्य में ऐसी गलतियों को न दोहराएं।

इसलिए जरूरी है अपनी स्मृतियों से जुड़ाव: अपनी स्मृतियों से जुड़ाव बनाए रखना इस दृष्टि से नई पीढ़ी के लिए विशेष रूप से प्रभावी है, क्योंकि बच्चों और युवाओं में अपने परिवार और समाज के प्रति जो संवेदनशीलता और सामाजिक जुड़ाव का भाव आता है, वह इन स्मृतियों का ही नतीजा होता है। दादा-दादी की जीवन यात्राएं, पुराने संघर्षों की कहानियां और पारिवारिक परंपराएं, युवा पीढ़ी को जीवन के गहरे अर्थ समझाने में मदद करती हैं। लेकिन राष्ट्रीय स्मृति दिवस हमें यह भी सिखाता है कि आधुनिकता और परंपरा के बीच संतुलन बनाना भी बहुत जरूरी है। तकनीक का इस्तेमाल स्मृतियों को सहेजने के लिए तो किया जा सकता है, लेकिन अगर इसी तकनीक की चकाचौंध के गुलाम बने रहे, तो स्मृतियों को बनने का मौका नहीं मिलता।

तकनीक का हो संतुलित इस्तेमाल: आज की युवा पीढ़ी की सबसे बड़ी समस्या यह है कि वह अपने दिन का बहुत बड़ा समय, अपने मोबाइल फोन के साथ अकेले में गुजारते हैं। स्मृतियों पर यह बहुत बड़ा हमला है। जब हम अपने दिन का ज्यादातर खाली समय मोबाइल फोन को दे देंगे, तो भला हमारी याद रह जाने वाली स्मृतियां कब बनेंगी, किससे बनेंगी? इसलिए स्मृतियों के संबंध में तकनीक का अंधाधुंध इस्तेमाल थोड़ा फायदा लेकिन बहुत ज्यादा नुकसान भी देता है। क्योंकि भावनाओं का स्थान कभी तकनीक नहीं ले सकती। इसलिए हमें ध्यान रखना चाहिए कि तकनीक हमारे जीवन में इतनी अधिक हावी न हो जाए कि जो हमसे हमारी स्मृतियों को ही दूर करने लगे। *

{ दोहे / डॉ. शरद नारायण खरे }

दिन बरसाता आग

सूरज आतिश बन गया, तपे नगर सब गांव।
जीवों में अकुलाहटें, ढूंढ़ रहे सब छांव।।
लू चलती है गति लिए, बिलख रहा इंसान।
सब नदियों से छिन गई, अब बस सारी आन।।
चाबुक सड़कों पर चले, आतंकित हर एक।
दिनकर के तो आजकल, नहीं इरादे नेक।।
कूलर, पंखे हंस रहे, शीतलता का मान।
मटके ने इस पल 'शरद', पाया नवल विहान।।
किरणें ना किरणें लगें, बरस रही है आग।
बचना तुम चाहे अगर, तो लो बचकर भाग।।
कंबल अब बेकार हैं, बिरथा ऊनी वस्त्र।
किरणें हमले कर रहीं, बनकर नित ही शस्त्र।।
नीर सरीखा बह रहा, तन से बेहद स्वेद।

इस मौसम में हो रहा, हर इक जन को खेद।।
बिजली लगती है सुखद, जिससे झरती शीत।
हम तुम, सब ही कष्ट में, सुन लो मेरे मीत।।
सुबह हमें लगती भली, दिन बरसाता आग।
फिर जी-भर फुंफकारता, आतप का तो नाग।।
नीर गिरे आकाश से, देखे मानव राह।
पर अब इस पल जग रही, हर दिल से ही आह।।

{ व्यंग्य / डॉ. मुकेश असीमित }

सड़क का दर्शनशास्त्र

सड़क का भी एक दर्शन होता है, खासकर उस सड़क का, जो खुद सड़कछाप हो। वह सड़क जो कहीं टिककर नहीं रहती, हर मोहल्ले, हर मोड़, हर चुनावी वादे में आवारगी करती मिल जाती है। आजकल ऐसी सड़कें खूब चलन में हैं। चलन में इसलिए कि चलने लायक कम और दिखने लायक ज्यादा होती हैं।

सड़क साम्यवाद का जीवंत, धूल-धूसरित उदाहरण है। यहां गधे और घोड़े एक ही ताल में चलते हैं। कभी-कभी तो पहचान ही गड़बड़ा जाती है कि कौन-सा किस श्रेणी में है। पशु, पक्षी, मानव सबको सड़क समान भाव से अपनाती है। सड़क सबकी मां है। अब अगर मां की गोद में बैठकर कोई पूछे कि गधे-घोड़े का फर्क क्यों नहीं दिख रहा, तो इसमें मां का क्या दोष! सड़क तो बस बनी है आओ, चलो, दौड़ो, गिरो, रौंदो, जो लिखा लाए हो, वही होगा। आप सड़क पर हैं या सड़क पर लाए गए हैं, यह नियति का मामला है, सड़क का नहीं।

सड़क और संसद का रिश्ता भी बड़ा दार्शनिक है। आदमी कब सड़क से संसद पहुंच जाए और कब संसद से सड़क पर लौट आए, कहा नहीं जा सकता। जनता सड़क के रास्ते ही नेताओं को संसद का पता देती है और उसी रास्ते से वापसी का न्योता भी। इसलिए सड़क है तो संभावनाएं हैं धरने की, हड़ताल की, रैली की, जाम की और कभी-कभी नंगे नाच की भी। सड़क लोकतंत्र की खुली प्रयोगशाला है।

सड़क है तो गड्ढे हैं। गड्ढे हैं तो मरम्मत है। मरम्मत है तो बजट है। बजट है तो फाइलें हैं। फाइलें हैं तो अफसर का चूल्हा जलता है। सड़क सरकार का बहुउद्देशीय औजार है। शौचालय, पेशाबघर और कचरा निस्तारण की कई योजनाओं से बचा लेती है। लोग सड़क पर ही अभ्यास कर लेते हैं, और सड़क 'राइट एट योर डोरस्टेप' कचरा सेवा दे देती है बिना टेंडर, बिना उद्घाटन।

कोरोना के दिनों में जब सड़कें सूनी हुईं, तो उन्हें भी बुरा लगा। पर जल्दी ही फैक्ट्री मालिकों ने मजदूरों को निकाला और सड़कें फिर गुलजार हो गईं। मजदूरों के रेलों ने सड़कों को धन्य कर दिया, मां की गोद फिर भर गई।

सड़कें हैं तो एक्सीडेंट हैं। ट्रैफिक पुलिस का डंडा अभियान निरंतर है। चालान से जेबें भी फुल टॉस फूल रही हैं। सड़कें हैं तो फुटपाथ हैं, और फुटपाथ हैं तो उन पर सोते लोग। वरना नशे में धुत्त रईसों को कुचलने के लिए लोग मिलेंगे कहां? सड़कें ही तो हैं जो रील और सेल्फी प्रेमियों की कर्मभूमि हैं, जहां जोखिम जितना बड़ा, व्यू उतने ज्यादा।

सड़कें हैं तो सड़कछाप गुंडे भी हैं। राजनीति की प्रारंभिक पाठशाला यही है। रेहड़ियों से शुरू हुई हफ्तावसूली आगे चलकर बड़े घोटालों का पाठ्यक्रम बनती है। सड़क कैडर तैयार करती है, छुटभैये से गैंगस्टर तक।

आजकल सड़कों पर ध्यान कम है। ध्यान दें भी तो कैसे, सड़कें बड़ी बेवफा हैं। बनाई नहीं कि उखड़ने को तैयार। इतना भी सब्र नहीं कि एक चुनावी कार्यकाल पूरा हो जाए। मरम्मत का बजट पास होते-होते नेता बदल जाता है और क्रेडिट कोई और ले जाता है। समाधान सरल है हर नेता अपने नाम की सड़क बनवाए। चुनाव हार जाए तो सड़क उठाकर घर ले जाए।

सड़कें मां जैसी ही होती हैं। पान की पीक, कचरा, मल-मूत्र सब समेट लेती हैं, बिना शिकायत। अब प्रश्न उठता है मां तो सड़क है, बाप कौन? जब भी सड़क पर वाहन चालकों के बीच बहस या हाथापाई की नौबत आती है तो पहला सवाल यही पूछा जाता है, 'सड़क तेरे बाप की है क्या?' पर बाप का पता आज तक नहीं चला। मिलते ही इसकी सूचना दी जाएगी।

कभी-कभी सड़कें उधड़ती हैं ताकि शहर को ग्रामीण जीवन की झलक मिल सके कंक्रीट, धूल, मिट्टी, जमीन से जुड़े रहने का प्रशिक्षण। चिकनी सड़क पर खेलेंगे तो बच्चों की इम्युनिटी कैसे बनेगी?

सड़कें पतित-पावनी भी हैं, मोक्षदायिनी भी। प्राचीन योगियों की परंपरा आज सड़कें निभा रही हैं। कहीं दुर्गम, कहीं अदृश्य, कहीं कीचड़, कहीं खाई। हैं भी, नहीं भी-ब्रह्मस्वरूप। फाइलों में हैं, वादों में हैं, पर चलने में अकसर नहीं। न शुरुआत दिखती है, न अंत। कोई पूछे, 'यह सड़क कहां जाती है?' भाग्यशाली हैं वे जिनकी जाती है। यहां तो सालों से देख रहे हैं नजर ही नहीं आती।

सड़कें वही हैं जहां चाहो मोड़ लो, बिना शिकायत। और अगर सरकारी बजट की हों, तो नेता जी उन्हें अपने बंगले तक भी ले जा सकते हैं। सड़कछाप सड़क बस महसूस करने की चीज है। मानने की, जानने की नहीं। *

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

सामाजिक बदलाव की कहानियां

वरिष्ठ कथाकार कैलाश बनवासी का आठवां कथा संग्रह 'हवा बहुत तेज है' हाल में प्रकाशित होकर आया है। इसमें संकलित ग्यारह कहानियों में मध्य वर्गीय जीवनशैली के विभिन्न स्तरों में हाल के वर्षों में हुए बाहरी ही नहीं आंतरिक बदलावों की भी सूक्ष्म पड़ताल की गई है। शीर्षक कहानी 'हवा बहुत तेज है' के मुख्य पात्र जगन्नाथ बाबू अपने आस-पास के बदलावों, सामाजिक बहुरूपिएपन, नई पीढ़ी की सोच के बीच विस्मित नजर आते हैं तो अभूतपूर्व छल के समय में सामान्य सी ईमानदारी भी कितनी असामान्य लगती है, इसे 'एक पुराना आदमी' कहानी में प्रकट किया गया है। बाजारवाद के प्रभाव को 'दाग अच्छे हैं' कहानी में व्यक्त किया गया है। संग्रह की सभी कहानियां ठहरकर विचार करने को बाध्य करती हैं। *

पुस्तक: हवा बहुत तेज है (कहानी संग्रह), लेखक: कैलाश बनवासी,
मूल्य: 299 रुपए, प्रकाशक: राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

{ लघुकथा / डॉ. यशोधरा भटनागर }

गूंज

दरवाजा खुलते ही रात का अंधियारा मंगलू के साथ घर में घुस आया था। कच्चे-पक्के घर में चूल्हे के गहरे स्लेटी धुएं में लालटेन की रोशनी अपना प्रकाश फैलाने के लिए जूझ रही थी।

'छुटका.. ऐ छुटका! ऐ कमली..! कितै को मर गए रे सब कै सब?' लड़खड़ाते कदमों से घर में घुसते हुए मंगलू चीखते हुए बोला।

एक तीखी गंध पूरे घर में पसर गई।

आठ बरस का दीपू कमरे की कच्ची दीवार से चिपका सहमा हुआ उसे देख रहा था।

मंगलू ने जेब से आधी भरी बोतल निकाली और जोर से चिल्लाया, 'का देख रया है बे! दौड़ कै एक गिल्लास लाओ हमाए लाने।'

कुछ पल बाद दीपू स्टील का गिलास मंगलू के हाथ में थमाते हुए बोला, 'बापू, आज स्कूल में टीचर ने पूछो हतो कि हम बड़े होकर का बनेहैं?'

मंगलू ने उसको चपतियाते हुए पूछा, 'तुमने का कहौ फिर?' दीपू थोड़ी देर चुप खड़ा रहा फिर अपनी पूरी हिम्मत बटोर कर बोला, 'बापू हमने कह दओ कि हम बड़े होकर तुमाओ जैसा नहीं बनहैं।'

'टन्न...!'

टन्न की यह जोरों की गूंज, घर की कच्ची दीवारों में समा गई।

दरअसल, मंगलू ने गिलास सामने रखे खाली कनस्तर पर दे मारा था।

मंगलू ने गुस्से से दीपू की ओर देखा, बेटे की आंखें आईने की तरह साफ थीं। इन आंखों में उसे खुद का विकृत चेहरा साफ नजर आ रहा था। *

परंपरा-संस्कृति का मोहक आयोजन
तमिलनाडु का येरकौड उत्सव

दक्षिण भारतीय राज्य तमिलनाडु अपनी संस्कृति, परंपरा और लोकपर्वों के लिए मशहूर है। राज्य पर्यटन विभाग द्वारा हर वर्ष आयोजित होने वाला येरकौड उत्सव भी इन्हीं सांस्कृतिक आयोजनों में से एक है। यहां पर्यटक विभिन्न तरह के अनुभवों का आनंद ले सकते हैं। इस उत्सव की खासियतों पर एक नजर।

{ सांस्कृतिक उत्सव
धीरज बसाक }

दक्षिण भारतीय राज्य तमिलनाडु के सलेम जिले में स्थित एक प्रसिद्ध हिल स्टेशन है-येरकौड। समुद्र तल से 1500 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह हिल स्टेशन, शेवरॉय पहाड़ियों पर बसा है, जहां कॉफी, मसालों, फूलों और फलों की शानदार और सघन खेती होती है। धुंध से ढंकी पहाड़ियों व झीलों के लिए मशहूर पर्वतीय नगर येरकौड सिर्फ अपनी प्राकृतिक सुंदरता और फल-फूलों की खेती के लिए ही नहीं जाना जाता बल्कि यह जनजातीय संस्कृति, लोकनृत्य, पारंपरिक संगीत और स्थानीय हस्तशिल्प का भी गढ़ है। ये सब खूबियां मिलकर इस क्षेत्र को सांस्कृतिक रूप से बेहद समृद्ध बनाती हैं। यहां की इन्हीं खूबियों को देश-दुनिया के सामने लाने के लिए हर साल येरकौड उत्सव मनाया जाता है। आमतौर पर मई महीने के अंतिम सप्ताह में मनाया जाने वाला यह रंगीन-सांस्कृतिक उत्सव इस साल 22 मई से शुरू हो चुका है और 28 मई 2026 तक आयोजित होगा।

सांस्कृतिक अभिव्यक्ति का माध्यमः इस उत्सव की शुरुआत तमिलनाडु पर्यटन विभाग और स्थानीय प्रशासन ने मुख्यतः दो उद्देश्यों से की थी। पहला येरकौड की सांस्कृतिक पहचान और स्थानीय परंपराओं को बढ़ावा देने के लिए तथा दूसरा, पर्यटन को प्रोत्साहित करने के लिए। धीरे-धीरे यह आयोजन केवल पर्यटकों को लुभाने वाला उत्सव ही नहीं रहा बल्कि स्थानीय लोगों की सांस्कृतिक अभिव्यक्ति का प्रमुख मंच बन गया। आज इस उत्सव से जुड़कर सैकड़ों कलाकारों, किसानों, जनजातीय समुदायों, हस्तशिल्पियों, लोकनर्तकों और संगीतकारों की भी न केवल पहचान बनी है बल्कि यह उनकी समृद्धि का जरिया भी बना है। सिर्फ येरकौड की स्थानीय संस्कृति ही नहीं, तमिलनाडु की सांस्कृतिक पहचान को चमकदार बनाने में भी येरकौड उत्सव ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। येरकौड का सांस्कृतिक उत्सव शेवरॉय पहाड़ियों में रहने वाली जनजातियों की सांस्कृतिक आत्मा है।

लोकनृत्यों का भी होता है आयोजन

उनके लोकनृत्य, उनकी पारंपरिक वेशभूषा, उनका स्थानीय लोकसंगीत, रीति-रिवाज, इस उत्सव के न केवल आकर्षण हैं बल्कि उन्होंने तमिलनाडु और दुनिया के दूसरे हिस्सों को भी अपनी ओर आकर्षित किया है। यही कारण है कि दक्षिण भारत में बड़े पैमाने पर लोग इस मौके पर यहां आकर अपनी रोजमर्रा की भाग-दौड़ भरी जिंदगी के बीच आह्लादित करते सुकून के पल महसूस करते हैं।

परंपरा-आधुनिकता का संगमः उत्सव के दौरान यहां के स्थानीय कलाकार अपनी लोक-लुभावन वेशभूषाओं में जुलूस निकालते हैं तथा तमिल लोक-जीवन की शानदार झांकी प्रस्तुत करते हैं। यह उत्सव एक साथ न केवल यहां की सांस्कृतिक उत्सवधर्मिता को प्रस्तुत करता है बल्कि आधुनिक जीवनशैली और पारंपरिक लोक संस्कृति का एक लुभावना फ्यूजन भी प्रदर्शित करता है। इसलिए येरकौड उत्सव को स्थानीय संस्कृति के संरक्षण का महत्वपूर्ण जरिया माना जाता है, क्योंकि यह नई पीढ़ी को जितनी उत्सुकता और रोमांच के साथ आकर्षित करता है, उतनी ही तीव्रता के साथ पुरानी पीढ़ी को भी इस उत्सव के साथ जोड़ता है।

मनमोहक उत्सव की अनोखी छटाः तमिल लोकसंगीत, नादस्वरम, करगट्टम और कवड़ी की पारंपरिक धुनों तथा स्थानीय नृत्य प्रस्तुतियों से यह उत्सव अलौकिक अनुभूति प्रदान करता है। शाम ढलते ही पूरा शहर लोकधुनों और अलग-अलग जगहों पर हो रहे सांस्कृतिक कार्यक्रमों से जीवंत हो उठता है। इस उत्सव में हिस्सा लेने आए सैलानी संतरे का स्वाद तथा फूलों की खुशबू का खूब लुत्फ उठाते हैं। लौटते वक्त विशेष रूप से यहां की मशहूर कॉफी और कालीमिर्च जैसे मसाले अपने साथ ले जाना नहीं भूलते हैं।

आर्थिक दृष्टि से भी महत्वपूर्णः येरकौड महोत्सव सिर्फ स्थानीय लोक संस्कृति का उत्सव भर नहीं है बल्कि जीवनशैली और जीवन यापन का भी संगीतमय उत्सव है। इस उत्सव में स्थानीय फलों और कृषि उत्पादों की विशेष झांकियां लगाई जाती हैं, जिससे आने वाले पर्यटकों को शुद्ध और विशिष्ट कृषि उत्पाद तो हासिल होते ही हैं, यहां के किसानों की अच्छी-खासी आय भी इस उत्सव के जरिए हो जाती है। यहां का हस्तशिल्प भी अपनी तरह की विशिष्टता के लिए जाना जाता है। विशेषकर यहां के बांस के उत्पादों को लोग खूब पसंद करते हैं। कुल मिलाकर यह प्रकृति, स्थानीय संस्कृति और सामुदायिक जीवन का साझा उत्सव है। इसमें फूलों की खुशबू के साथ लोकधुनें गूंजती हैं और पहाड़ों की ठंडी हवाओं के साथ परंपराओं की गर्माहट का आनंद भी मिलता है। *

फ्लावर शो-बोट रेसिंग का आकर्षण

येरकौड लोक उत्सव की दो और महत्वपूर्ण खासियतें हैं, जिसमें एक है फ्लावर शो और दूसरा है नौका दौड़। येरकौड उत्सव इन दोनों आयोजनों के लिए विशेष तौर पर जाना जाता है। फ्लावर शो के दौरान यहां पाए जाने वाले सैकड़ों किस्म के खुशबूदार और रंग-बिरंगे फूलों की कलात्मक सजावट पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देती है। इस उत्सव के दौरान येरकौड झील में एक बोट रेस भी आयोजित की जाती है, जो इस उत्सव का एक विशेष आकर्षण होती है। दूर-दूर से आए पर्यटक उत्सव के दौरान नौकायन का भरपूर आनंद लेते हैं।

इस तपिश में पक्षियों को देगा राहत
थोड़ा सा दाना-थोड़ा सा पानी

इन दिनों की तपती गर्मी से हम सब इंसान ही नहीं नन्हे बेजुबान पक्षी भी बेहद बेचैन हैं। दिन के समय इनके लिए दाने-पानी को खोजना बहुत कठिन हो जाता है। इन पक्षियों की बेचैनी को कम करने के लिए हम सब उनके लिए थोड़े से दाने और पानी का इंतजाम कर उनको बड़ी राहत दे सकते हैं।

{ सरोकार / के. पी. सिंह }

तपती दोपहरी में जब धरती अंगारों की तरह दहकती है और आसमान से आग बरसती महसूस होती है, तब सबसे ज्यादा संकट, उन नन्हे परिंदों पर आता है, जिनकी चहचाहट हमारी सुबहों को जीवंत बनाती है। पानी की कुछ बूंदें और अनाज के कुछ दाने उनके लिए जीवनदायी बन सकते हैं। इसलिए अगर हम सब इन बेचैन करने वाली गर्मी के दिनों में अपने घर की छत, बालकनी या खिड़की के बाहर बने स्पेस पर एक कटोरा पानी का भरकर रख दें और उसी जगह एक मुट्ठी दाना डाल दें तो यह नन्हे परिंदों को जिंदगी की बहुत राहत देगा। यह छोटा-सा प्रयास उनके लिए सुरक्षित ठिकाना और जिंदगी का सहारा बन सकता है।

बढ़ते ताप से पक्षी होते बेहालः बीते कुछ दिनों से गर्मी का प्रकोप लगातार बढ़ रहा है। इसके चलते हम इंसानों से भी ज्यादा शहरों की सड़कों से लेकर गांव के खुले आकाश तक पक्षियों के लिए भारी संकट पैदा हो गया है। देखने में आ रहा है कि पिछले कुछ सालों से गर्मी के दिनों में तापमान में लगातार हो रही वृद्धि, पक्षियों के प्राकृतिक जीवन चक्र को बाधित कर रहा है। पहले जहां 38 से 40 डिग्री का तापमान मई के आखिरी दिनों में हुआ करता था, वहीं अब यह अप्रैल के अंतिम सप्ताह से लेकर मई के पहले सप्ताह में होने लगा है। इन दिनों तो कई जिलों में तापमान 45 डिग्री सेंटीग्रेड को भी पार कर रहा है। जब गर्मी इतनी ज्यादा पड़ती है तो छोटे पक्षियों के लिए यह बहुत चुनौती बन जाती है। उनके लिए सुरक्षित आश्रय और दाना-पानी की जबर्दस्त किल्लत हो जाती है। पक्षियों का शरीर छोटा और बेहद संवेदनशील होता है, इससे वे तापमान में हल्के बदलाव से भी प्रभावित होते हैं। गर्मियों में जब जलस्रोत सूखने लगते हैं, तो उन्हें पानी की तलाश में दूर-दूर तक उड़ान भरनी पड़ती है। इस दौरान उनकी ऊर्जा तेजी से खत्म होती है और कई बार पानी की तलाश में ही वो हीट स्ट्रोक का शिकार हो जाते हैं।

शहरी क्षेत्रों में बड़ी समस्याः शहरी क्षेत्रों में गर्मी की स्थिति और गंभीर है। कंक्रीट के जंगलों में न तो पेड़ों की छाया बची है और न ही प्राकृतिक जलस्रोत। यही कारण है कि कबूतर, गौरैया, कौआ, मैना जैसे पक्षी भी अब पानी के लिए तरसने लगे हैं। कई रिपोर्ट्स में यह सामने आया है कि हर साल गर्मियों में उत्तर भारत से दक्षिण भारत तक हजारों पक्षी सिर्फ प्यास और अत्यधिक गर्मी के कारण दम तोड़ देते हैं। तेजी से हो रहे शहरीकरण के कारण लगातार पेड़ कट रहे हैं। ये पेड़ केवल ऑक्सीजन ही नहीं देते बल्कि पक्षियों के लिए भोजन और आशियाना भी होते हैं। पुराने पेड़ जिनमें पक्षी पहले घोंसले बनाया करते थे, अब नहीं लगाए जा रहे हैं। सड़कों के किनारे अब इमारती लकड़ी वाले पेड़ लगाए जाते हैं, जिसका असर यह होता है कि सड़क किनारे पेड़ होने के बावजूद उसमें पक्षी अपना घोंसला नहीं बना पाते और न ही राहगीरों को उनसे कोई छाया मिलती है। यही कारण है कि शहरों में रहने वाली गौरैया और बुलबुल जैसी पक्षियों की हाल के सालों में काफी ज्यादा संख्या कम हुई है, क्योंकि पानी और आश्रय की कमी से इंसानों की तरह पक्षी भी लू का शिकार हो जाते हैं।

कर सकते हैं ये प्रयासः अत्यधिक गर्मी में नन्हे पक्षियों का शरीर, तापमान नियंत्रित नहीं कर पाता, जिससे वे गिरकर बेहोश हो जाते हैं। इसलिए अपनी जिम्मेदारी समझते हुए हम सबको गर्मियों में अपने घरों, अपने आंगनों, खेतों, छतों और मुडेरों यानी जहां भी संभव हो, एक कटोरा पानी और एक मुट्ठी दाने का इंतजाम पक्षियों के लिए जरूर करना चाहिए। इससे इनकी जान भी बचाई जा सकती है और हमें इससे नन्हे पक्षियों की जान बचाने की खुशी भी भरपूर मिलेगी। इससे कई तरह के तनाव और लाइफस्टाइल समस्याओं से हम मुक्त रहेंगे। सरकार और पर्यावरण संगठन इस संबंध में हालांकि कई तरह के प्रयास कर रहे हैं। पक्षी बचाओ जैसे अभियान लोगों को जागरूक कर रहे हैं। लेकिन यह सिर्फ सरकार और मुट्ठी भर गैर-सरकारी संगठनों के प्रयासों से नहीं होगा। जैसे ही गर्मियों में पारा 40 डिग्री के पार पहुंचता है, शहरी क्षेत्रों में 70 फीसदी जलस्रोत सूख जाते हैं। इसीलिए पिछले कई सालों से हर साल विशेषकर मई से लेकर जून तक देशभर में हजारों पक्षी हीट स्ट्रोक या लू से मरते पाए गए हैं। ऐसे में हम अगर अपने घर के आस-पास या कहीं भी मिट्टी के एक बर्तन में हर रोज थोड़ा पानी भरकर रख दें और उसी के आस-पास ज्वार, बाजरा और चावल जैसे कुछ दाने भी डाल दें, तो इस छोटे से प्रयास से हर साल हजारों पक्षियों की जान बचाई जा सकती है। *

गर्मी में देंगे ठंडा एहसास
ये देसी कोल्ड ड्रिंक

देश के विभिन्न हिस्सों में गर्मी से राहत पाने के लिए अलग-अलग तरह के ड्रिंक्स पीने-पिलाने का चलन है। ये देसी कोल्ड-ड्रिंक्स, टेस्टी ही नहीं हेल्दी भी होते हैं। इनमें से कुछ के बारे में यहां बता रहे हैं।

{ सीजनल डाइट
शिखर चंद जैन }

अकसर हेल्थ एक्सपर्ट्स कार्बोनेटेड कोल्ड ड्रिंक न पीने की हिदायत देते हैं। लेकिन चिंता न करें, गर्मी और उमस से राहत पाने के लिए कई तरह के देसी ठंडे पेय आप पी सकते हैं, जो न केवल प्यास बुझाते हैं बल्कि शरीर को अंदर से ठंडा रखने में भी मदद करते हैं। दरअसल, बाजार में मिलने वाले कोल्ड ड्रिंक में अत्यधिक शुगर (चीनी), कैफीन और हानिकारक केमिकल होते हैं, जो वजन बढ़ाते हैं और डिहाइड्रेशन का कारण बन सकते हैं। इनके ज्यादा सेवन से हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं। इसके विपरीत, प्राकृतिक पोषक तत्वों से भरपूर देसी ड्रिंक्स शरीर को ताजगी देते हैं और इनका शरीर पर कोई दुष्प्रभाव भी नहीं पड़ता।

लस्सी

लस्सीः गर्मी के दिनों में लस्सी तो हम सब के घरों में बनती ही रहती है। इसे बनाने में न कोई झंझट है ना ज्यादा समय ही लगता है। बस अच्छी क्वालिटी के दही में चीनी मिला लें। या फिर भुना-पिसा जीरा और काला नमक मिलाकर पी लीजिए। यह शरीर को तुरंत ठंडक प्रदान करता है।

जलजीराः जीरा, पुदीना, इमली और नीबू रस के मिश्रण से तैयार यह चटपटा पेय पाचन को सुधारता है और शरीर को ठंडा रखता है। आप चाहें तो अच्छी कंपनी का जलजीरा पावडर लाकर उसमें पुदीना, नीबू का रस मिलाकर पी सकते हैं।

आम पन्नाः इन दिनों मार्केट में कैरी (कच्चा आम) भरपूर मिल रही है। कैरी को भून कर मसल लीजिए और छान कर उस पानी में हल्की-सी चीनी, जीरा और काला नमक मिला लीजिए। यह पेय लू से बचाने में रामबाण माना जाता है।

आम पन्ना

ठंडाईः दूध, सूखे मेवे और केसर से भरपूर यह ड्रिंक विशेषकर होली के समय और गर्मियों में ताजगी के लिए पी जाती है। यह शरीर को ठंडक देने के साथ-साथ पौष्टिक भी होता है।

बेल का शरबतः पके हुए बेल के गूदे से बना यह शरबत एक बेहतरीन ठंडा पेय है और पाचन में सहायक होता है। राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार, ओडिशा और मध्य प्रदेश में इसका खूब सेवन किया जाता है।

सत्तू शरबतः भुने हुए चने के आटे (सत्तू), नीबू, पानी और नमक से बना यह पेय पौष्टिक होने के साथ-साथ पेट को ठंडा और शरीर को ऊर्जावान रखता है। यह मुख्य रूप से बिहार, झारखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश में प्रचलित है।

सत्तू शरबत

गोंधोराज घोलः यह पश्चिम बंगाल की खास छाछ है, जिसमें सुगंधित 'गोंधोराज' नामक विशेष तरह के नीबू के रस का उपयोग किया जाता है।

नीरू मज्जिगा (नीर मोर): यह पेय मुख्य रूप से आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और कर्नाटक में पिया जाता है। यह एक ठंडी छाछ है, जिसे मसाले, करी पत्ते और अदरक मिलाकर तैयार किया जाता है।

जिगरठंडाः दूध, गोंद कतीरा और नन्नारी सिरप से बना यह पेय शरीर की गर्मी को कम करने के लिए विशेष रूप से जाना जाता है। खासतौर से यह तमिलनाडु के मदुरै और उसके आस-पास के इलाकों में अधिक प्रचलित है।

पनाकमः तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में गुड़, सोंठ और इलायची से बना यह पारंपरिक पेय, त्योहारों पर विशेष रूप से बनाया जाता है और गर्मी के मौसम में राहत पाने के लिए उत्तम माना जाता है।

रागी अंबालीः कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में प्रचलित यह पेय पोषण से भरपूर और शरीर को शीतलता देने वाला होता है। यह रागी (एक प्रकार का मोटा अनाज) से बना होता है। *

रागी अंबाली

'इंडियाज बेस्ट डांसर 4' और 'नच बलिए 4' जैसे रियलिटी शोज को जज कर चुकीं करिश्मा कपूर 'इंडियाज बेस्ट डांसर 5' में भी बतौर जज नजर आएंगी। डांसिंग जज के रूप में वह कैसा महसूस करती हैं? इस शो के पांचवें सीजन में इस बार क्या खास है? भविष्य में एक्टिंग को लेकर उनकी क्या प्लानिंग है? ऐसे ही कई सवालों के जवाब दिए करिश्मा कपूर ने इस बातचीत में।

इंडियाज बेस्ट डांसर की जज बनकर मुझे बहुत मजा आ रहा हैः करिश्मा कपूर

{ खास मुलाकात / आरती सक्सेना }

अपने दौर की टॉप एक्ट्रेसेस में शुमार करिश्मा कपूर ने शादी के बाद कुछ समय के लिए अभिनय से संन्यास ले लिया था और वह पूरी तरह घर-परिवार की जिम्मेदारियों में व्यस्त हो गई थीं। लेकिन आज हालात अलग हैं, उनके बच्चे बड़े हो चुके हैं। एक बार फिर वे एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में एक्टिव हो गई हैं। जल्द ही करिश्मा, सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन और सोनी लिव पर प्रसारित होने वाले डांस रियलिटी शो 'इंडियाज बेस्ट डांसर 5' में बतौर जज नजर आएंगी। इस शो और करियर से जुड़े सवाल करिश्मा कपूर से।

आप एक बार फिर 'इंडियाज बेस्ट डांसर' सीजन 5 में बतौर जज आएंगी। इस बार इस शो में आपको किस बात ने आकर्षित किया?

इस बार इस सीजन का थीम 'इंडिया वाला डांस' है। जिसका मतलब है इंडिविजुएलिटी और सेल्फ एक्सप्रेशन, यह अपनी यूनिक शैली को अपनाने, खुद पर कॉन्फिडेंस रखने और एकदम अलग दिखने से ना डरने के बारे में है। कहने का मतलब यह है कि जब प्रतियोगी सच में अपनी कला के जरिए अपनी पहचान से जुड़ते हैं, तभी उनकी परफॉर्मेंस यादगार साबित होती है। 'इंडिया वाला डांस' की इसी सोच से इंप्रेस होकर मैं एक बार फिर इस शो से जुड़ी।

बॉलीवुड के कई सुपरहिट गानों का आप हिस्सा रही हैं। 'दिल तो पागल है' में माधुरी दीक्षित के साथ आईकॉनिक डांस, गोविंदा के साथ कई डांस नंबर्स, आज भी दर्शकों के जेहन में जिंदा हैं। ऐसे में जब इस शो में आपके डांस वाले गानों पर पार्टिसिपेंट्स परफॉर्म करते हैं तो उस समय आपका क्या रिएक्शन होता है?

'इंडियाज बेस्ट डांसर 5' में को-जजेज के साथ करिश्मा कपूर

(मुस्कुराते हुए) पुरानी यादें ताजा हो जाती हैं। बहुत खुशी होती है जब अपने डांस नंबर पर किसी को ठुमके लगाते हुए देखती हूं। मेरी फिल्मी जर्नी में डांस का अहम हिस्सा रहा है। 'इंडियाज बेस्ट डांसर' में मेरे गाने पर किया गया हर परफॉर्मेंस मुझे उन पलों की याद दिलाता है। जब पार्टिसिपेंट्स को मैं पूरी शिद्दत के साथ अपने गानों पर डांस करते हुए देखती हूं तो मुझे बहुत खुशी होती है। उनका हार्ड वर्क और डेडिकेशन इंस्पायरिंग लगता है।

आप फिल्मी बैकग्राउंड से हैं, जहां कहानी कहने में डांस ने अहम भूमिका निभाई है। ऐसे में जजिंग पैनल में आपको डांस का कौन-सा साइड अनोखा लगता है, जिसमें आप प्रतियोगी को जज करती हैं?

मेरी पूरी लाइफ फिल्मों में बीती है। 16 साल की उम्र से मैंने एक्टिंग शुरू कर दी थी। इस दौरान मैंने हमेशा डांस को एक पॉवरफुल आस्पेक्ट के रूप में देखा है। डांस न सिर्फ फीलिंग्स को एक्सप्रेस करता है बल्कि यह कहानी कहने की भी ताकत रखता है। यह शो सिर्फ डांसिंग स्टेप्स के बारे में नहीं है, बल्कि इमोशन एक्सप्रेशन और दर्शकों से जुड़ने के बारे में भी है। मैं यही नजरिया बतौर जज लाना चाहती हूं। मैं ऐसी परफॉर्मेंस देखना चाहती हूं, जो टेक्निकली सही हो, इमोशन से भरपूर और सहज हो। ऐसी परफॉर्मेंस जो दर्शकों के दिलों पर गहरा असर छोड़े।

'इंडियाज बेस्ट डांसर 5' में आपके साथ गीता कपूर, जावेद जाफरी और टेरेंस लुईस भी बतौर जज आ रहे हैं। उनके साथ आपका तालमेल कैसा है?

बहुत ही अच्छा है। शो की जजिंग के अलावा भी हम आपस में मजाक मस्ती करते रहते हैं। गीता जहां मस्तीखोर है, वहीं जावेद जाफरी का सेंस ऑफ ह्यूमर बहुत अच्छा है। इन सभी जजेज के साथ शो का हिस्सा बनने का अनुभव मजेदार है।

'इंडियाज बेस्ट डांसर' देश भर के उभरते कलाकारों के लिए एक अहम प्लेटफॉर्म बन चुका है। ऐसे में जो डांसर इस शो में भाग लेना चाहते हैं, ऐसे कंटेस्टेंट्स को आप क्या मैसेज देना चाहेंगी?

उनसे मैं यही कहना चाहूंगी कि अपने ऊपर विश्वास रखें, खुद के प्रति सच्चे रहें, कुछ ना कुछ नया सीखने की कोशिश करें, चुनौतियों का सामना करें, कभी निराश ना हों और ना ही हार मानें। एक दिन आपकी मेहनत जरूर रंग लाएगी। आपका टैलेंट आपको सब में अलग और अच्छा दिखाएगा। ऐसे लोगों का इस शो में स्वागत है। ये मंच ऐसे ही लोगों के लिए बना है, जहां आकर वह अपना डांसिंग टैलेंट पेश कर सकते हैं।

क्या आपके बच्चों को भी डांस और एक्टिंग में इंटरेस्ट है?

इस बारे में अभी तो मैं कुछ कह नहीं सकती, क्योंकि मेरे दोनों ही बच्चे फिलहाल पढ़ाई कर रहे हैं। भविष्य में वे कौन-सा करियर चुनते हैं, यह अभी से कहना मुश्किल है। *

मैं फिल्मों में भी काम करने के लिए तैयार हूं बशर्ते...

टीवी शोज के अलावा फिल्मों और वेब सीरीज में एक्टिंग को लेकर क्या प्लानिंग है, इस बारे में पूछने पर करिश्मा बताती हैं, 'फिल्म हो, ओटीटी हो या टीवी, मुझे हर जगह काम करने में कोई प्रॉब्लम नहीं है। बस मैं जो भी काम करूं वह अच्छा होना चाहिए। जैसे मैंने कुछ सालों पहले 'मेंटल हुड' और 'मर्डर मुबारक' वेब सीरीज की थी। फिलहाल मैं अभिनव देव के निर्देशन में 'ब्राउन' सीरीज कर रही हूं। फिल्मों में भी काम करने के लिए मैं तैयार हूं बशर्ते उसमें मेरा रोल मीनिंगफुल और दमदार होना चाहिए।'